तापमान
अधिकतम 36.0 डिग्री
न्यूनतम 26.0 डिग्री

हरिभूमि
# रायगढ़-जशपुर भूमि

बिलासपुर, गुरुवार 27 नवंबर 2025



अवैध परिवहन पर प्रशासन सख्त
2 करोड़ 26 लाख का धान जब्त





## घर में लोग भी नहीं मिल रहे, फॉर्म तो बंट गया, कलेक्शन करने में आ रही दिक्कत

# एसआईआर फॉर्म भरने में शारीरिक और मानसिक रूप से परेशान हो रहे बीएलओ





हरिभूमि न्यूज ⏭ रायगढ़

जिले में एसआईआर फॉर्म भरने और जमा करने की जिम्मेदारी निभा रहे बीएलओ लगातार बढ़ती चुनौतियों से जूझ रहे हैं। तकनीकी दिक्कतों व दस्तावेजों की कमी उनके काम में बाधा बन रही है। इसके अलावा घर परिवार की जिम्मेदारी से भी उन्हें वंचित होना पड़ रहा है, जिससे वो शारीरिक व मानसिक रूप से प्रताड़ित हो रही हैं। हरिभूमि की टीम ने बुधवार को शहर और शहर से लगे कई बूथों में जाकर वहां एसआईआर का काम कर रहे बीएलओ से चर्चा की। इस दौरान जो हालात थे वह वह शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। काफी तकलीफों के बीच बीएलओ काम कर रहे हैं। जब टीम बेलादुला बोइरदादार, विजयपुर, गोवर्धनपुर सहित अन्य क्षेत्रों के कई बूथ लेवल अधिकारियों से बात की तो उन्होंने बताया कि इस बार फॉर्म भरवाने के दौरान तकनीकी बाधाएँ, दस्तावेजों की कमी और कम जागरूकता सबसे बड़ी दिक्कत बनकर सामने आई है। बीएलओ का कहना है कि नए मतदाताओं को जोड़ने में सबसे अधिक परेशानी आवश्यक दस्तावेजों के अधूरा होने से आ रही है। कई युवा वोटर आईडी बनवाना तो चाहते हैं, लेकिन पता प्रमाण, आयु प्रमाण या फोटो संबंधी आवश्यक दस्तावेज समय पर उपलब्ध नहीं करा पाते, जिससे फॉर्म लंबित रह जाते हैं। इसके साथ ही एसआईआर पोर्टल का धीमा चलना और कई इलाकों में नेटवर्क की कमी फॉर्म अपलोड करने में रुकावट बन रही है। बीएलओ बताते हैं कि कई बार एक-एक फॉर्म अपलोड करने में आधे घंटे से भी ज्यादा समय लग जाता है। जिससे उनकी रोजाना की फील्ड वर्क योजना प्रभावित होती है। ग्रामीण इलाकों में लोगों का घरों पर मौजूद न होना भी सत्यापन को मुश्किल बना रहा है। कई घरों में बार-बार जाने के बावजूद जिम्मेदार व्यक्ति से मुलाकात नहीं हो पाती। जिससे बीएलओ को अतिरिक्त मेहनत करनी पड़ रही है। कुछ बीएलओ ने यह भी कहा कि कार्यभार अधिक और संसाधन सीमित होने से तनाव बढ़ रहा है। तय समय सीमा के भीतर सभी फॉर्म अपडेट करना आसान नहीं है। इन सभी समस्यायों के बावजूद बीएलओ कोशिश में लगे हैं कि रायगढ़ जिले की मतदाता सूची आगामी निर्वाचन से पहले पूरी तरह अपडेटेड हो सके।

### फॉर्म वितरण और संकलन में उलझन

आंगनबाड़ी केंद्रों और शासकीय स्कूलों में एसआईआर फॉर्म को लेकर भ्रम जैसी स्थिति बनी हुई है। बीएलओ निर्धारित स्कूलों और आंगनबाड़ी केंद्रों में बैठकर फॉर्म भरवाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन अधिकांश स्थानों पर केंद्र सुनसान पड़े रहते हैं। ज़िम्मेदारों के अनुसार पहले बांटे गए मतदाता फॉर्म कलेक्ट करने के लिए बीएलओ घर-घर भी जा रहे हैं, लेकिन लोग समय पर उपलब्ध नहीं होने से प्रक्रिया धीमी हो रही है। केंद्रों में कम भीड़ और घरों में अनुपस्थिति दोनों वजहों से बीएलओ परेशान हैं।

### खास बात

- तकनीकी दिक्कतों व दस्तावेज़ों की कमी बन रही बड़ी बाधा

### निजी काम भी हो रहा प्रभावित

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को इस बार बीएलओ की जिम्मेदारी दी गई हैए जिसके कारण एसआईआर फॉर्म भरने और जमा कराने का कार्य उनके दैनिक कार्यक्रम पर भारी पड़ रहा है। कार्यकर्ताओं का कहना है कि घर-घर जाकर फॉर्म भरवाने, दस्तावेज सत्यापन और पोर्टल अपडेट करने में पूरा दिन निकल जाता है। जिससे उन्हें अपने नियमित आंगनबाड़ी के कार्यों, पोषण वितरण, गर्भवती महिलाओं की देखरेख, बच्चों का वजन, केंद्र संचालन के लिए समय नहीं मिल पा रहा। इसके चलते कई केंद्रों में नियमित गतिविधियाँ प्रभावित हो रही हैं। वहीं कार्यकर्ताओं का निजी समय और घरेलू जिम्मेदारियां भी पीछे छूट रही हैं। सुबह 11 से शाम 5 बजे तक इनको काम करना है, लेकिन देर रात तक इन्हें काम करना पड़ रहा है। जिससे इनकी परिवार के प्रति जिम्मेदारियां पूरी नहीं हो पा रही हैं।

## 6 साल की मासूम बच्ची की पड़ोसी के घर में मिली संदिग्ध परिस्थितियों में लाश

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायगढ़

**लैलूंगा थाना क्षेत्र का मामला**
**पुलिस हिरासत में दो संदेही**

लैलूंगा थाना क्षेत्र अंतर्गत 6 साल की बच्ची की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत होने की जानकारी मिली है। परिजन ने जब बच्चे की तलाश की तो गांव के एक घर में उसकी लाश मिली। इस मामले में हत्या की आशंका जताई जा रही है। पुलिस दो संदेहियों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

छाल के ग्राम चितापाली गांव में रहने वाली 6 साल की छात्रा लैलूंगा थाना क्षेत्र के ग्राम कुर्रा स्थित कन्या आश्रम में रहकर दूसरी कक्षा में पढ़ाई करती थी। 17 नवंबर को नाबालिग अपनी मां के साथ नानी के घर कुर्रा आई हुई थी। मंगलवार को बच्ची घर के बाहर खेल रही थी और उसके बाद वापस घर नहीं पहुंची। ऐसे में काफी देर तक उसके घर नहीं आने पर उसके परिजन बच्ची की तलाश में जुटे हुए थे। इसी दौरान शाम करीब 7 बजे के आसपास गांव में रहने वाला लक्ष्मी प्रसाद राठिया ने कहा कि बच्ची उनके घर में सो रही है। परिजन जब बच्ची को लेने पहुंचे तो देखा कि बच्ची बिस्तर में पड़ी हुई थी और उसकी मौत हो चुकी थी। बताया जा रहा है कि बच्ची के गले में कुछ निशान नजर आ रहे थे। ऐसे में तत्काल उसके परिजनों ने मामले की जानकारी पुलिस को दी। जहां पुलिस के जवान मौके पर पहुंचे और मृतका के शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया। मामला संदेहास्पद होने से प्रथम दृष्टया हत्या की आशंका जताई जा रही है। ऐसे में पुलिस लक्ष्मी प्रसाद राठिया व उसके बेटे आरती प्रसाद राठिया को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। पुलिस का कहना है कि मामले में पीएम रिपोर्ट आने के बाद मौत का स्पष्ट कारण पता चल सकेगा। मर्ग कायम कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

### गांव में दहशत का माहौल

6 साल की बच्ची की संदिग्ध परिस्थितियों में पड़ोस के ही घर में लाश मिलने की घटना के बाद से गांव में अलग-अलग कयास लगाए जा रहे हैं। साथ ही साथ पूरे गांव में दहशत का माहौल निर्मित हो गया है। गांव के ग्रामीणों का कहना है कि इस मामले में जो भी दोषी हो उसे कड़ी सजा मिलनी चाहिए।

### ब्लॉक स्तरीय सांसद खेल महोत्सव का शुभारंभ

**सक्ती।** जनपद पंचायत सक्ती अंतर्गत नंदेली भाठा मैदान में मंगलवार को विकासखण्ड स्तरीय सांसद खेल महोत्सव का शुभारंभ हुआ। विकासखण्ड स्तरीय सांसद खेल महोत्सव उद्घाटन कार्यक्रम में खो-खो, रस्सा-कशी, गिल्ली-डंडा और गेड़ी-दौड़ का आयोजन किया गया। जिसमें दर्शकों की भीड़ नें खिलाड़ियों का उत्साह एवं मनोबल बढ़ाया एवं कार्यक्रम हर्षोल्लास के साथ प्रारंभ किया गया। इन खेलों में युवाओं और बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिससे पूरा खेल परिसर जोश और उमंग से भर उठा। सांसद खेल महोत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में टिकेश्वर गबेल शामिल हुए।

## खबर संक्षेप

### पुलिसकर्मियों ने ली संविधान दिवस पर शपथ

**रायगढ़।** रायगढ़ पुलिस कार्यालय में 26 नवंबर को संविधान दिवस के अवसर पर एक गरिमामय कार्यक्रम आयोजित किया गयाए जिसमें अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आकाश मरकाम ने पुलिसकर्मियों को भारतीय संविधान की प्रस्तावना की शपथ दिलाई। उन्होंने देश को संपूर्ण प्रभुत्व संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक और गणराज्य बनाने तथा राष्ट्र की एकता और अखंडता बनाए रखने की प्रतिबद्धता दोहराते हुए सभी उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों को संविधान द्वारा प्रदत्त मूल्यों के पालन की शपथ दिलाई। पुलिसकर्मियों ने दृढ़ संकल्प के साथ प्रस्तावना में निहित आदर्शों को जीवन और कर्तव्य में लागू करने की प्रतिज्ञा ली।

### खड़े ट्रेलर से बाइक टकराई, चालक की मौत



**रायगढ़।** पूंजीपथरा थाना क्षेत्र अंतर्गत मंगलवार शाम एक बाइक चालक सड़क पर खड़े ट्रेलर वाहन से टकरा गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना पर पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले को विवेचना में लिया है। जानकारी के अनुसार सामारूमा निवासी मुकुंद यादव 58 अपनी बाइक से किसी काम से अमलीडीह गए हुए थे। शाम करीब 6 बजे वे घर लौट रहे थे। इसी दौरान सड़क पर ब्रेकडाउन होने के बाद अव्यवस्थित ढंग से खड़ी एक ट्रेलर उनके सामने आ गईए कम रोशनी और ट्रेलर के बिना संकेतक खड़ी होने के कारण मुकुंद यादव अपनी बाइक समेत तेज़ी से ट्रेलर से भिड़ गए। हादसा इतना भीषण था कि उनके सिर और शरीर पर गंभीर चोटें आईं और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के ग्रामीण बड़ी संख्या में मौके पर जुट गए और पुलिस को सूचना दी। डायल 112 की टीम तुरंत पहुंची और शव को घरघोड़ा अस्पताल भेजवाकर पोस्टमार्टम की कार्रवाई शुरू करवाई। वहीं पूंजीपथरा पुलिस मामले की जांच में जुट गई है तथा ट्रेलर चालक व वाहन मालिक की जिम्मेदारी की जांच भी की जा रही है।

### विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल प्रखण्ड का आगमन



**बिलाईगढ़।** छत्तीसगढ़ प्रांत के प्रमुख प्रांत सैयोजक शुभम नाग व सराईपाली के गौ सेवक प्रमुख चंचल से भेट मुलाकात हुआ। जिसमे उपस्थित बिलाईगढ के सभी कार्यकर्ता, तथा गोरबा, नगरदा, टुंड्री, पुरगांव व के स्वमसेवको की भी उपस्थिति रही। जिसमे मुख्य रूप से विश्व हिंदू परिषद के प्रखंड अध्यक्ष नरेंद्र देवांगन, बजरंग दल के प्रखंड संयोजक दीपक राकेश, सत्संग प्रमुख व गौ सेवक प्रमुख प्रतिक श्रीवास, सुरक्षा दल प्रमुख तुषार देवांगन, दुर्गेश केवट, विनायक शर्मा, विकाश देवांगन, चेतन देवांगन, रणवीर देवांगन व अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे। जिसमे आगामी कार्यक्रम शौर्य यात्रा, गौ रक्षा और नसा मुक्ति अभियान व विभिन्न विषयों पर चर्चा किया गया।

## सड़क दुर्घटना में दो मासूम छात्रों की मौत ग्रामीणों ने किया चक्काजाम, चालक गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ सरिया



बुधवार सुबह 9 बजे अटल चौक में हृदय विदारक सड़क दुर्घटना में दो मासूम छात्रों की मौत हो गई। आक्रोशित ग्रामीणों ने चक्का जाम कर आरोपियों को गिरफ्तार करने की मांग किया। अटल चौक में चक्का जाम आंदोलन के बाद पुलिस टीम हरकत में आई और वाहन चालक को पहले से ही गिरफ्तार किया हुआ था। लेकिन आक्रोशित ग्रामीणों ने आरोपी को बचाने वाले को भी गिरफ्तार करने की मांग पर अड़े रहे। अंततः आरोपी को सहयोग करने वाले के खिलाफ थाने में रिपोर्ट दर्ज होने पर पुलिस ने आरोपी को शीघ्र गिरफ्तार करने का आश्वासन दिया। तब जाकर चक्का जाम आंदोलन खत्म हुआ। पुलिस ने बताया कि वाहन चालक सजन अग्रवाल बरमकेला निवासी को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

तहसील मुख्यालय सरिया में बुधवार सुबह 9 बजे अटल चौक के पास सड़क घटना में 7 वर्षीय दो मासूम स्कूली बच्चों की मौत हो गई। तेज एवं लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए ब्रेजा वाहन चालक ने आगे से बाइक सवार व्यक्ति को ठोकर मार दी। बाइक में दो मासूम बच्चे बैठे थे। इस दौरान दोनों बच्चों को गंभीर चोट लगी तथा बाइक सवार बच्चों के चाचा को भी चोट लगने पर अस्पताल भेजा गया। जहां सरिया अस्पताल में ही हर्षित पटेल 7 वर्ष कक्षा दूसरी की छात्र की मौत हो गई। जबकि गंभीर रूप से घायल प्रिया पटेल 7 वर्ष कक्षा पहली की रायगढ़ अस्पताल में मौत हो गई। इस तरह ब्रेजा वाहन के चालक के घोर लापरवाही मनमानी के कारण दो मासूम स्कूली बच्चों की मौत से सरिया अंचल में शोक व्याप्त है। प्रतिदिन की भांति आज भी सरिया से लगे ग्राम बरपाली निवासी मेघनाथ पटेल अपने भतीजा हर्षित पटेल एवं प्रिया पटेल को सरिया के रास्ते पुजारीपाली भारत माता पब्लिक स्कूल छोड़ने जा रहा था। कि तभी रास्ते में अटल चौक सरिया के पास उक्त घटना हुई। घटना इतनी जबरदस्त था कि और कई लोगों के जान जा सकता था। लेकिन ऐन वक्त पर सड़क किनारे एक ट्रैक्टर खड़े होने से कई लोगों की जान बच गई। और ब्रेजा वहां पहले बाइक को ठोकर मारने के बाद ट्रैक्टर में जाकर टकरा गई। यदि ट्रैक्टर नहीं होता तो और कई लोगों के जान जा सकते थे। इस वक्त ट्रैक्टर के आगे कई लोग एक इटली के दुकान में इटली नाश्ता कर रहे थे। इस तरह की लापरवाही की घटना से सरिया में दो मासूम बच्चों की मौत होने से सरिया अंचल शोक में डूबा है। जबकि बाइक सवार मेघनाथ पटेल की हालत गंभीर होने पर उन्हें रायगढ़ के एक अस्पताल में भर्ती किया गया है। आक्रोशित ग्रामीणों ने अटल चौक में वाहन चालक को सहयोग प्रदान करने वालों के खिलाफ भी कार्यवाही करने के मांग को लेकर चक्का जाम आन्दोलन किया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस प्रशासन मौके पर पहुंची और समझाइश देने के बाद अंतत चक्का जाम आंदोलन खत्म किया। हर्षित पटेल अपने माता पिता की इकलौते से संतान हैं। इसी तरह प्रिया पटेल भी घर की लाडली बेटी थी।

> सड़क दुर्घटना में दो मासूम छात्रों की मौत होने के मामले में वाहन चालक को गिरफ्तार कर आगे की कार्वाई की जा रही है। ग्रामीणों के मांग पर एक अन्य की गिरफ्तारी पर भी ग्रामीणों ने रिपोर्ट किया है इस पर भी कार्वाई की जा रही है।
>
> **निमिषा पांडे,** एडिशनल एसपी

## सरकारी स्कूलों में प्रयोगशालाओं की हालत खराब कहीं केमिकल की कमी तो कहीं कमरा ही नहीं





हरिभूमि न्यूज ⏭ रायगढ़

जिले के सरकारी स्कूलों में प्रयोगशालाओं की हालत काफी खराब है। कुछ स्कूलों में प्रयोगशालाएं जुगाड़ के भरोसे चल रही हैं। कहीं संसाधनों की कमी तो कहीं कमरे ही नहीं, कहीं एक ही कमरे में समयानुसार अलग-अलग प्रैक्टिकल कराई जाती है।

जिले में अगर आत्मानंद स्कूलों को छोड़ दें तो अन्य शासकीय स्कूलों में किसी भी प्रकार की सुविधा नजर नहीं आई। मानों विभाग के द्वारा सारी सुविधाएं आत्मानंद को देते हुए, अन्य स्कूलों को भूला दिया गया। इस वजह से स्कूलों में पढ़ने वाले छात्र-छात्राएं ठीक से प्रेक्टिकल तक नहीं कर पा रहे हैं। स्कूलों में दिसंबर माह के अंत से लेकर जनवरी माह तक प्रैक्टिकल परीक्षाएं होनी है। ऐसे में स्कूलों में प्रयोगशालाओं में संसाधनासें की कमी की वजह से छात्र-छात्राओं को काफी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। बुधवार को हरिभूमि की टीम ने शहर के कुछ स्कूलों का जायजा लिया तो हालात कुछ इस कदर मिले की जिक्र करना भी उचित नहीं है। शहर के सरकारी स्कूलों की हालत इस कदर खराब है तो समझ लिजिए गांव के स्कूल कैसे हो सकते हैं।

### सिर्फ कॉपियों में प्रैक्टिकल, उपकरणों की जानकारी नहीं

जिले में ग्रामीण क्षेत्रों में कई ऐसे भी स्कूल है जहां पर प्रैक्टिकल रूम नहीं है। जहां हैं वहां सुविधाएं नहीं है। स्कूल के कई छात्र-छात्राओं ने बताया कि प्रैक्टिकल कॉपियों में करते हैं। उन्होनें उपकरण देखा तक नहीं।

### दी जाती है फंड

शिक्षा विभाग की माने तो सभी स्कूलों में प्रयोगशाला उपलब्ध होना चाहिए। इसके लिए शासन के द्वारा फंड भी उपलब्ध कराई जाती है। इसके बाद भी शासकीय स्कूलों के प्रयोगशालाओं की स्थिति दयनीय है। ऐसे हालात में यहां के छात्र- छात्राओं को प्रेक्टिकल के लिए काफी दिक्कत हो रही है।

### प्राचार्यों ने जानकारी देने से किया मना

एक तरफ बच्चों का भविष्य तो दूसरी तरफ प्रशासन का डंडा। गुरुवार को जब हरिभूमि की टीम सरकारी स्कूलों के लैब के हालातों का जायजा लेने पहुंचा तो वहां के लैब प्रभारी कुछ बता रहे थे तो प्राचार्य सबकुछ ठीक होने का हवाला दे रहे थे। साथ ही लैब प्रभारियों को प्राचार्य अंखिया रहे थे और सबकुछ ठीक बोलने का इशारा कर रहे थे।

> जुलाई से सारे स्कूलों में लैब की व्यवस्था करा दी गई है। केमिकल उपलब्ध है, यदि खत्म होता है उनको स्वयं से खरीदी करनी चाहिए। कहीं कोई समस्या होगी तो उसका तत्काल निराकरण किया जाएगा।
>
> **डॉ केवी राव**
> डीईओ

### नटवर स्कूल में पर्याप्त सुविधाएं

शहर के सबसे प्राचीप और प्रचलित स्कूलों में एक पीएम श्री नटवर स्कूल में लैब से जुड़ी सभी प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध हैं। चूंकि यह स्कूल शासकीय अंग्रेजी माध्यम का एक बड़ा एवं मॉडल स्कूल है। इसलिए यहां छात्रों को प्रेक्टिकल करने की तमाम सुविधाएं मिल रही है। लगातार यहां प्रैक्टिकल की कक्षाएं भी कराई जाती है। छात्रों ने बताया कि यहां सभी प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध है।

### लैब में एक ही उपकरण

शहर के मध्य में स्थित शासकीय गर्ल्स स्कूल, जो कि सबसे पुराने स्कूलों में से एक है। यहां पर प्रायोगिक कक्ष की हालात खस्ताहाल स्थिति में है। यहां फिजिक्स के लैब में उपकरणों की कमी है। कक्षा में एक ही टेबल है जिस पर एक ही उपकरण रखा हुआ है और सभी छात्राएं उसी में प्रैक्टिकल कर रही है। वहीं केमेस्ट्री लैब में सारे उपकरण धूल फांक रही हैं। ना ही केमिकल है और ना ही बर्नर। बर्नर नहीं होने के कारण यहां गैस सिलेंडर का प्रयोग किया जा रहा है, जो खतरनाक भी साबित हो सकता है।

### जरूरत में करते हैं जुगाड़

केवड़ाबाड़ी स्थित भूपदेव शासकीय स्कूल में तो अब तक लैब रूम ही तैयार नहीं हो सका है। यहां अब तक सिर्फ किताबों से ही सारी पढ़ाई कराई जाती है। स्कूल के शिक्षकों ने बताया कि जरूरत पढ़ने पर प्रैक्टिकल रूम का जुगाड़ किया जाता है। जल्द ही रूम तैयार कर लिया जाएगा उसके बाद यहीं प्रायोगिक कक्षाएं ली जाएंगी।

**पहली नजर में फर्जी साइन को नहीं पकड़ सके संवितरण अधिकारी**

# अपेक्स बैंक के आलमारी से पहले चेक गायब, फिर फर्जी साइन कर निकाली राशि

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायगढ़

पासबुक में एंट्री कराई तो किसान को मिली जानकारी, आज सौपेंगे जांच रिपोर्ट
किसान के खाते से बैंककर्मी ने उड़ाए 4 लाख, मामला दर्ज
पुलिस ने कराई है रकम वापस
किसान का ऑडियो वायरल

अपेक्स बैंक से हुई चार लाख के फर्जी आहरण मामले में अब डंडा गार्ड (सिक्योरिटी गार्ड) का नाम सामने आ गया है। इस गार्ड ने बैंक के आलमीरा से पहले चेक बुक गायब (किसी दूसरे को दे दिया) किया, उसके बाद जिसको चेक दिया था उसने किसान का हूबहू हस्ताक्षर किया और गार्ड की मदद से चार लाख आहरण कर लिया। बैंक से किसान ने जब स्टेटमेंट निकलवाया तब उसके खाते से फर्जी तरीके से चार लाख आहरण होने की जानकारी मिली।

इसके बाद कोतवाली पुलिस में एफआईआर हुई, लेकिन इसमें एक आरोपी के साथ बैंक के बाबू और कंम्प्यूटर ऑपरेटर को दोषी माना जा रहा था। अब जांच रिपोर्ट में जो तथ्य सामने आए हैं उसके मुताबिक मुख्य आरोपी के साथ अपेक्स बैंक के गार्ड के शामिल होने की जानकारी मिली है। जांच अधिकारी ने अपेक्स बैंक के नोडल अधिकारी को रिपोर्ट सौंप दी है, अब आगे की कार्रवाई मुख्यालय से होने की बात कही जा रही है। यह मामला अपेक्स बैंक के रायगढ़ ब्रांच रामपुर का है। यहां महेश राम पटेल निवासी ननसिया का एकाउंट है जिसमें करीब 24.64 लाख रुपए जमा थे।

महेश बीमारी के कारण चलने-फिरने में असमर्थ है। उसके पुत्र बृजेश पटेल ने 6 नवंबर को पिता के पासबुक में एंट्री कराने गया तो पता चला कि उसके एकाउंट से चार लाख निकाले गए हैं। उसके पिता बैंक नहीं आए, बृजेश ने भी राशि नहीं निकाली तो फिर रुपए कौन निकाला । पूछताछ में पता चला कि ननसिया निवासी युगेश पटेल ने दो बार में चार लाख उसके एकाउंट से निकाले हैं। कोतवाली में युगेश पटेल के विरुद्ध धारा 318 (4) के तहत अपराध पंजीबद्ध किया था। पहली नजर में यह मामला पूरी तरह से बैंक अधिकारियों की मिलीभगत का लग रहा था, लेकिन सीसीटीवी फुटेज के साथ पूरे मामले की बारीकी से जांच की गई तो मामला अपेक्स बैंक के गार्ड से जुड़ गया।

### पहले जीता भरोसा

अपेक्स बैंक में सीडीओ कंपनी के सिक्योरिटी गार्ड अजय महंत को रखा गया है। अजय महंत की ड्यूटी बीएम के चेंबर में था। उससे चेक बुक और अन्य फाइल इधर से उधर भेजने का काम लिया जाता था। नया चेक बुक किसान महेश राम पटेल के नाम से जारी हुआ था। उस चेक बुक को गार्ड अजय महंत ने उड़ा दिया, और किसी को दे दिया। चेक किसको दिया गया यह जानकारी बैंक को नहीं था। इसी चेक से युगेश पटेल ने अपने ही गांव के किसान महेश पटेल का फर्जी साइन किया और दो बार में चार लाख आहरण कर लिया। युगेश का मदद वहां के गार्ड अजय महंत कर रहा था। याने बीएम के भरोसे का फायदा उठाकर गार्ड ने राशि निकालने में मदद की। अब जो भी कार्रवाई होगी वह मुख्यालय से ही होगी। जांच रिपोर्ट वहां जाने के बाद इसका फैसला होगा।

### किसान को मिल गई राशि

इस मामले में कोतवाली पुलिस की भूमिका बहुत गंभीर है। प्रार्थी किसान का एक कथित ऑडियो वायरल हुआ है जिसमें वह कह रहा है कि उसको थाने से रुपए वापस मिल गए हैं। पुलिस ने पीड़ित किसान और आरोपी के बीच सुलह करवा दी। जबकि मामला कूटरचना का भी है। बैंक एकाउंट से रुपए निकालने के लिए आरोपियों ने आधार कार्ड से छेड़छाड़ की। चैकबुक भी गलत तरीके से निकाली गई।

## खबर संक्षेप

### आरजीएच में 83 पद खाली 72 डॉक्टरों के भरोसे इलाज

**राउरकेला।** राउरकेला सरकारी अस्पताल (आरजीएच) में डॉक्टरों की भारी कमी के कारण स्वास्थ्य सेवाएँ गंभीर अव्यवस्था का सामना कर रही हैं। वर्ष 1975 में भुवनेश्वर के कैपिटल अस्पताल के साथ शुरू हुए आरजीएच में आज स्थिति ऐसी है कि प्रगति के बजाय डॉक्टरों की संख्या लगातार घटती जा रही है। 400 बेड वाले इस अस्पताल में रोजाना 400 से अधिक मरीज इंडोर और 1,000 से ज्यादा मरीज आउटडोर में उपचार के लिए पहुँचते हैं। अस्पताल के लिए स्वीकृत 138 डॉक्टर पदों में से 83 पद खाली हैं। वर्तमान में केवल 55 स्थायी डॉक्टर, 3 अनुबंधित और जिला खनिज फाउंडेशन के 12 डॉक्टरों सहित कुल 72 डॉक्टर सेवाएँ दे रहे हैं। सबसे चिंताजनक बात यह है कि अस्पताल में एक भी रेडियोलॉजिस्ट नहीं है, जिससे गरीब मरीजों को अल्ट्रासाउंड के लिए निजी केंद्रों में पैसा खर्च करना पड़ता है। आरजीएच पर जिले की सात में से पाँच विधानसभा क्षेत्रों की आबादी निर्भर है। इसके बावजूद वर्षों से डॉक्टरों की कमी दूर नहीं की गई। राउरकेला विधायक ने कहा कि उन्होंने पहले भी विधानसभा में मुद्दा उठाकर कई विकास कार्य कराए, पर 630 करोड़ की परियोजना सरकार बदलते ही रद्द कर दी गई। रघुनाथपल्ली विधायक ने कहा कि पिछली सरकार की खामियों का असर अब तक है, जबकि वर्तमान सरकार डॉक्टरों की संख्या बढ़ाने पर काम कर रही है। वहीं बीरमित्रपुर विधायक ने कहा कि विभागों में डॉक्टरों की कमी गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि जिले में केंद्रीय मंत्री और विधानसभा उपाध्यक्ष मौजूद होने के बावजूद अस्पतालों का विकास ठप है।

### किसान-महतारी सम्मेलन आज नारायणपुर में

**जशपुरनगर।** जिले के कुनकुरी विकासखण्ड अंतर्गत हाई स्कूल मैदान नारायणपुर में 27 नवम्बर 2025 को किसान महतारी सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होगें। वहीं विशिष्ट के रूप में वित्त, वाणिज्य कर, आवास एवं पर्यावरण, योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग एवं प्रभारी मंत्री ओपी चौधारी, रायगढ़ लोकसभा क्षेत्र सांसद राधेश्याम राठिया, पत्थलगांव विधायक एवं सरगुजा क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकारण के उपाध्यक्ष श्रीमती गोमती साय, जशपुर विधायक श्रीमती रायमुनी भगत, जिला पंचायत अध्यक्ष सालिक साय, छ.ग.भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार मंडल के अध्यक्ष रामप्रताप सिंह, छ.ग. माटीकला बोर्ड के अध्यक्ष शम्भूनाथ चक्रवर्ती, छग अंत्यावसायी राज्य सहाकरी वित्त एवं विकास निगम के अध्यक्ष सुरेन्द्र कुमार बेसरा, छग राज्य महिला आयोग की सदस्य प्रियम्वदा सिंह जूदेव, जिला पंचायत उपाध्यक्ष शौर्य प्रताप सिंह जूदेव, जनपद पंचायत कुनकुरी अध्यक्ष सुशीला साय सहित जशपुर जिले के समस्त जिला एवं जनपद पंचायत के सदस्य तथा जन प्रतिनिधि उपस्थित रहेगें।

### प्रभावित परिजन हेतु 8 लाख की राशि स्वीकृत

**जशपुरनगर।** कलेक्टर रोहित व्यास ने प्राकृतिक आपदा में जनहानि के दो मामले में प्रभावित परिजन को आरबीसी 6-4 के तहत 08 लाख रुपए की आर्थिक सहायता अनुदान राशि की स्वीकृत दी है। दुलदुला तहसील अंतर्गत ग्राम केन्दापानी निवासी स्व. भगवती बाई का डबरी के पानी में डूबने से 29 अक्टूबर 2024 को मृत्यु हो गई। मृतिका के निकटतम वारिस उनF'के पिता द्वारिका सिंह हेतु 4 लाख रुपए की आर्थिक सहायता अनुदान राशि स्वीकृत की गई है। इसी प्रकार बगीचा अंतर्गत ग्राम बम्बा निवासी स्व. मीरा बाई का आकाशीय बिजली से 06 जुलाई 2025 को मृत्यु हो गई। मृतिका के निकटतम वारिस उनकी पुत्री गायत्री, फुलनदेवी एवं पुत्र दशरथ और फरसू साय हेतु 4 लाख रुपए की आर्थिक सहायता अनुदान राशि स्वीकृत की गई है।

### केआईटी कॉलेज से मिले उधार के भवन में संचालित हो रही यूनिवर्सिटी

# शहीद नंदकुमार पटेल विश्वविद्यालय के लिए जमीन की तलाश नहीं हो रही पूरी

**रायगढ़।** करीब 6 साल पहले शुरू की गई शहीद नंदकुमार पटेल विश्वविद्यालय के लिए जिला प्रशासन को अब तक जमीन नहीं मिल पाई है। जिससे यह विश्विद्यालय आज भी केआईटी कॉलेज से मिले उधार के भवन में संचालित हो रहा है। यूनिवर्सिटी के लिए 200 एकड़ जमीन चाहिए ताकि परिसर बने और शैक्षणिक विंग शुरू किए जा सके, लेकिन राजस्व विभाग अब तक जमीन खोजने में नाकाम साबित हुआ।

दरअसल किसी भी क्षेत्र का विकास वहां के शिक्षण संस्थानों के विकास से संबद्ध होता है। पूर्व की कांग्रेस सरकार ने जिले मे शहीद नंदकुमार पटेल के नाम से विश्वविद्यालय की सौगात दी थी। इसे संवारने का काम मौजूदा सरकार का है, लेकिन वर्तमान सरकार व जिला प्रशासन द्वारा इस ओर अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। करीब 6 साल से यूनिवर्सिटी को स्थापित करने के लिए जमीन खोजने का काम चल रहा है, लेकिन अब तक इस पर कोई निर्णय नहीं लिया जा सका है।

कॉलोनियों के लिए मिल रही जमीन

बड़े सरकारी जमीनों को नीलामी और व्यवस्थापन में बेचा गया, शहर सहित जिले में अवैध कालोनियां बन गई, लेकिन राजस्व विभाग यूनिवर्सिटी के लिए जमीन नहीं ढूंढ सका। यूनिवर्सिटी के लिए करीब 200 एकड़ जमीन इसलिए चाहिए

क्योंकि यहां यूटीडी, कैम्पस, हॉस्टल, मैदाज आदि निर्माण हो सके। इसके अलावा यह भी ध्यान रखना है कि विवि कैम्पस हाईवे से ज्यादा दूर न हो।

#### वन भूमि होने पर अटका मामला

शुरुआत में खरसिया के चपले और टेमतटेमा में जमीन मिलने की जानकारी सामने आई। टेमटेमा में करीब डेढ़ सौ एकड़ जमीन का चयन किय गया, लेकिन उक्त जमीन वन विभाग का निकलाए जिससे इसका फॉरेस्ट क्लीयरेंस नहीं हो पाया। इसके अलावा केआईटी कॉलेज के पीछे भी जमीन मिली, लेकिन उसमें उद्योग विभाग ने अडंगा डाल दिया। इस तरह यह काम आगे ही नहीं बढ़ पाया।

#### यूनिवर्सिटी में सिर्फ यही काम हो रहा

केआइटी के एक हिस्से में चल रहे यूनिवर्सिटी में सिर्फ प्रशासनिक काम हो रहे हैं। यूनिवर्सिटी खुलने के बाद छात्र संगठन सिर्फ परीक्षा, नामांकन की तारिखें बढ़वाते हैं। परिसर बनवाने और यूटीडी शुरू करने कोई पहल नहीं की गई है। यूनिवर्सिटी टीचिंग डिपार्टमेंट स्वयं का भवन होने के बाद ही संचालित होने की बात कही जा रही है।

#### विवि स्थापित होने से नए कॉलेज का खुलेगा रास्ता

इस विवि को स्थापित करने से रायगढ़ और आसपास के ही युवाओं का भविष्य बेहतर होगा और नए कॅलेज खुलने का रास्ता भी साफ होगा। इतना ही नहीं पुराने कॉलेजों की व्यवस्था भी सुधरेगीए लेकिन जिले के उच्च शिक्षण संस्थानों को बेहतर बनाने के लिए कोशिश ही नहीं हो रही है।

#### अब तक एनओसी नहीं दिए

मैं अभी हाल ही में कुलसचिव के प्रभार में हूं। मेरे पास इसकी फ्राइल अभी तक नहीं आई हैए लेकिन इतना सुनी हूं कि उद्योग विभाग वाले अब तक एनओसी नहीं दिए हैं।

-एसके ठाकुर
कुलसचिव, शहीद नंदकुमार पटेल यूनिवर्सिटी।

### कड़ाके की ठंड में गरीबों का उजड़ा आशियाना

## मान टोला में तोड़े गए दर्जनों घर

**राउरकेला।** स्मार्ट सिटी का दर्जा पाने वाले राउरकेला में मंगलवार का दिन मान टोला बस्ती के लिए बेहद दर्दनाक साबित हुआ। सिविल टाउन स्थित इस घनी आबादी वाली बस्ती के एक बड़े हिस्से पर राउरकेला विकास प्राधिकरण आरडीए ने आर एम सी की एनफोर्समेंट टीम के साथ मिलकर सुबह से लेकर दोपहर डेढ़ बजे तक बुलडोज़र चलाया। कार्रवाई में दर्जनों घर जमींदोज हो गए जिससे कई परिवार कड़ाके की ठंड में खुले आसमान के नीचे आ गए।

सबसे बड़ी चिंता यह है कि प्रभावित परिवारों के लिए कोई वैकल्पिक व्यवस्था नहीं की गई, जिससे लोगों में गहरा रोष है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि पूर्ण न्याय और पारदर्शिता के बिना उनका आशियाना छीन लिया गया। कई परिवारों का कहना है कि उनके नाम पहले छेण्ड अफोर्डेबल हाउसिंग अपार्टमेंट की सूची में आए थे, लेकिन बाद में बिना कारण नाम हटा दिए गए। वृद्धा तुलसी प्रसाद, जिनका कोई अपना नहीं उनका घर भी ढहा दिया गया। वहीं मांगे ओराम के बालिग बच्चों ने आरडीए पर मनमानी का आरोप लगाते हुए कहा कि उनके नाम दर्ज मकान को किसी और को आवंटित कर दिया गया। कई लोगों ने आरडीए के एक कर्मचारी सरोज पर मिलीभगत के आरोप भी लगाए हैं।

# सिरी नदी पर पुल बनने से ग्रामीणों का आवागमन हुआ आसान

हरिभूमि न्यूज ⏭ जशपुरनगर

दुलदुला-मकरीबंधा के बीच सिरी नदी पर पुल नहीं होने से लोगों को जब उस पार किसी अपने परिचितों के पास जाना होता था, तब उन्हें अक्सर 14 से 15 किलोमीटर दूर तक सफर कर दूसरे रास्ते से होकर जाना पड़ता था। नदी पर पुल नहीं होने से जहां उन्हें लंबी दूरी तय करनी पड़ती थीं, वहीं अपना समय और पैसा भी अधिक बर्बाद करना पड़ता था। अब जबकि सिरी नदी पर पुल बन गया है तो दुलदुला से मकरीबन्धा सहित आसपास के कई गांवों में आवागमन बहुत आसान हो गया है। लोग आसानी से और कम खर्च और कम समय में अब आना जाना कर सकते हैं। जशपुर जिले के दुलदुला से मकरीबंधा के मुख्य मार्ग तक सड़क निर्माण में प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना से 3 करोड़14 लाख 32 हजार रुपये की स्वीकृति मिली है। यह पुलिया निर्माण से स्थानीय जनता के लिए बड़ी राहत लेकर आई, क्योंकि इससे न केवल आवागमन आसान हुआ, बल्कि क्षेत्र के विकास में

भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। इस वृहद पुल के निर्माण से मार्ग में जुड़ने वाली बसाहटें ग्राम मिरगोली, धवरासांड, बरपानी, दुलदुला, डुमरबहार, कोरकोटोली, गैरज, मुण्डाअम्बा, मकरीबंधा, नोनीयातला, सिमडा, सिरिमकेला, सोकोडीपा के लोगों को विकास की मुख्य धारा से जुड़ने में अहम भूमिका निभा रही है। इन गांव के लगभग 4000 जनसंख्या को इस मार्ग से आवागमन में बहुत सुविधा मिलने लगी है साथ ही इस मार्ग में पड़ने वाले प्रा.शाला, मा.शाला, उप स्वास्थ्य केन्द्र तथा व्यापारिक गतिविधियों के साथ ब्लाक मुख्यालय दुलदुला आने-जाने में अहम भूमिका निभा रहा है। दुलदुला के इस मार्ग की लम्बाई 14.80 किमी है इस मार्ग से ग्राम भिरगोली, धवरासांड, बरपानी, दुलदुला, डुमरबहार, कोरकोटोली, गैरज, मुण्डाअम्बा, मकरीबंधा, नोनीयातला, सिमड़ा, सिरिमकेला, सोकोडीपा बसाहटों को जोड़ती है।

# नई गाइडलाइन के जारी होते ही रजिस्ट्री की संख्या हुई कम

**रायगढ़।** जिले मे जमीन की नई गाइडलाइन दरें लागू होने के बाद अब पंजीयन कार्यालयों में नई दर के हिसाब से जमीनों की खरीदी-बिक्री की जा रही है। विदित है कि शासन द्वारा जमीन की रजिस्ट्री के लिए नई दरें लागू की गई हैं।जिसके अनुसार शहरी क्षेत्रों में 20 से 40 फीसदी एवं ग्रामीण इलाकों में 50 से 500 प्रतिशत तक गाइडलाइन दरों में बढ़ोत्तरी की गई है। इसके कारण जमीन के खरीददारों को रजिस्ट्री के लिए भी अब दो से पांच गुना अधिक स्टांप एवं पंजीयन शुल्क अदा करना पड़ेगा ।

यानी जमीनों की रजिस्ट्री अब काफी मंहगी हो गई है। जिस वजह से पंजीयन कार्यालयो में अब लोगों की भीड़ कम हो गई है। यहां तक की कई पक्षकारों ने तो अपने सौदे ही रद्द

कर दिया है। जिले के पंजीयन कार्यालय में पहले लोगों की अच्छी खासी भीड़ देखनें की मिलती थी। लेकिन नई गाइडलाइन दरों के लागू होने के बाद से यह कम होने लगी है। विभाग के कर्मचारियों नें बताया कि पहले यहां हर रोज 40 से 50 प्रकरण दर्ज हो रहे थे, लेकिन नई दरों के पश्चात यह संख्या घट कर 25 से 30 पर आ गई है। वहीं कई लोग केवल जानकारी लेकर ही वापस लौट जा रहे हैं। प्रशासन का तर्क, बढ़ेगी पारदर्शिता नई गाइडलाइन को लेकर प्रशासन का तर्क है कि यह दरें वास्तविक बाजार मूल्य के अनुसार तय की गई हैं। इससे पारदर्शिता बढ़ेगी व राजस्व में वृध्दि होगी । लेकिन पंजीयन कार्यालयों में कम हुई लोगों की भीड़ इसका कुछ और ही जवाब दे रही हैं।

## अस्मिता पेनकाक सिलाट महिला लीग में 200 से अधिक प्रतिभागियों ने दिखाया दम

**राउरकेला।** पेनकाक सिलाट एसोसिएशन ऑफ़ सुंदरगढ़ के तत्वावधान में 23 नवंबर को सेक्टर 7 स्थित सूरभि स्पोर्ट्स सोसाइटी मैदान में एक दिवसीय जिला स्तरीय असमिता पेनकाक सिलाट महिला लीग का सफल आयोजन किया गया। पूरे कार्यक्रम का संचालन उत्साहपूर्ण वातावरण में हुआ। प्रतियोगिता में सुंदरगढ़ जिले के विभिन्न विद्यालयों, महाविद्यालयों और खेल संस्थाओं से 200 से अधिक बालिका एवं महिला खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता का आयोजन सिंगा, मचान, प्री टीन, प्री जूनियर, जूनियर और सीनियर वर्गों में किया गया, जिसमें 20 अधिकारियों ने तकनीकी प्रबंधन की जिम्मेदारी संभाली। उद्घाटन समारोह में रघुनाथपाली विधायक और गंगपुर की महारानी श्रीमती विज्ञानि शेखर देव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। दोनों अतिथियों ने खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया और नारी शक्ति को खेलों में आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। समापन समारोह में सुदीप्त नायक उपनिदेशक खेल एवं युवा सेवाएँ विभाग, ओडिशा सरकार, तथा श्रीमती मलिंदर कौर राउरकेला की प्रसिद्ध महिला उद्यमी एवं खेल प्रमोटर, मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने विजेताओं को सम्मानित किया और सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया।

## घरघोड़ा के पूर्व एसडीएम अशोक और पटवारी नेताम पर एफआईआर के निर्देश

**रायगढ़।** वर्ष 2018 में घरघोड़ा में एसडीएम के रूप में पदस्थ अशोक कुमार मार्बल और पटवारी परमेश्वर नेताम सहित दो अन्य के विरुद्ध धारा 420, 419, 467, 468, 471 एवं 120 बी का अपराध दर्ज कर विवेचना करने का आदेश न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी घरघोड़ा दामोदर प्रसाद चन्द्रा द्वारा थाना प्रभारी लैलूंगा को दिया गया है। यह आदेश लैलूंगा निवासी अशोक कुमार अग्रवाल की ओर से दायर क्रीमिनल कम्पलेन्ट में उनके वकील मिश्रा चेम्बर रायगढ़ के सीनियर एडवोकेट अशोक कुमार मिश्रा आशीष कुमार मिश्रा का तर्क सुनने के बाद अदालत ने पारित किया गया।

मामला यह है कि एसडीएम अशोक कुमार मार्बल एवं पटवारी परमेश्वर नेताम ने ग्राम झींकाबहाल में जिन्दल पावर एण्ड स्टील लिमिटेड की भूमि खसरा नंबर 208 रकबा 0.773 हेक्टेयर के संबंध में राजस्व रेकार्ड में हेराफेरी और कूटरचना करके इस भूमि का स्वामी बिहारी पटेल को दर्शाते हुए ऋण पुस्तिका तैयार किया और खसराए बी.1 में भी बिहारी पटेल को मालिक होना दर्शाया जिसके बाद इन फर्जी दस्तावेजों के आधार पर बिहारी पटेल ने 23 जनवरी 2018 को 11 लाख 84 हजार रुपए में उक्त जमीन लैलूंगा के व्यापारी अशोक कुमार अग्रवाल के पक्ष में बेच दिया जिसकी रजिस्ट्री भी उक्त फर्जी कागजातों के आधार पर हो गई। आश्चर्य की बात है कि खरीददार अशोक कुमार अग्रवाल के पक्ष में जमीन बिक जाने पर उसके नाम पर इन राजस्व अधिकारियों ने फर्जी नामातंरण भी कर दिया और फर्जी ऋण पुस्तिका जारी कर दिया। खरीददार अशोक कुमार अग्रवाल ने 15 सितम्बर 2023 को जब आनलाइन दस्तावेज निकाला तब उक्त भूमि वेणूधर वल्द ईश्वर के नाम पर दर्ज होना दिखाई दी। इसके बाद जब खरीददार ने और भी बारीकी से छानबीन किया तब उसे पता चला कि वर्ष 2017 के खसरा में उक्त जमीन जिन्दल पावर लिमिटेड के नाम पर दर्ज है तथा विक्रेता बिहारी पटेल के नाम पर यह जमीन कभी भी दर्ज नहीं रही हैए लेकिन एसडीएम मार्बल और पटवारी परमेश्वर ने फर्जी खसरा.बी1 एवं फर्जी ऋण पुस्तिका बनाकर बिहारी पटेल को इस जमीन का मालिक होना दर्शाकर उससे यह जमीन खरीददार अशोक अग्रवाल को ठगने के लिये बिकवा दिया। वहीं अशोक अग्रवाल को ठगने के लिये उसके नाम पर फर्जी नामातंरण करते हुए फर्जी ऋण पुस्तिका भी बना दिया। जब इस मामले की रिपोर्ट थाना लैलूंगा में की गई और एसपी से शिकायत की गई तो आरोपियों के खिलाफ एफआईआर करने में पुलिस विभाग के हाथ पांव फूल गए क्योंकि अपराधियों का मास्टरमाइंड अशोक मार्बल खुद ही एक प्रशासनिक अधिकारी हैं। ऐसे में पीड़ति न्याय की आस लगाकर अपनी फरियाद लेकर न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी घरघोड़ा माननीय दामोदर प्रसाद चन्द्रा की अदालत में गया, जहां पीड़ति को न्याय दिलाने के लिए मिश्रा चेम्बर रायगढ़ के सीनियर वकील अशोक कुमार, आशीष कुमार मिश्रा ने पीड़ति के वकील की हैसियत से उपस्थित होकर तर्क किया। अदालत ने प्रकरण में तर्क सुनने और पूरे प्रकरण के दस्तावेजों का बारीकी से अध्ययन करने के बाद लगभग 8 पृष्ठों में आदेश लिखकर थानेदार लैलूंगा को निर्देशित किया कि वे एसडीएम अशोक कुमार मार्बल, पटवारी परमेश्वर नेताम, जमीन विक्रेता बिहारी पटेल और विक्रय पत्र के गवाह सुरेन्द्र गुप्ता के विरुद्ध भारतीय दण्ड विधान की धारा 420, 419, 467, 468, 471, 120 बी का अपराध दर्ज कर विवेचना करें एवं अभियोग पत्र अंतिम प्रतिवेदन न्यायालय में दाखिल करें।

# लोदाम छठ घाट तक पक्का मार्ग का निर्माण कार्य पूर्ण

हरिभूमि न्यूज ⏭ जशपुरनगर

आस्था और जनभावना से जुड़े छठ पर्व का लोदाम में हर वर्ष बड़ी श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जाता है। शंख नदी के तट पर बसे इस सीमावर्ती ग्राम पंचायत में छठ पर्व के दिनों में भारी चहल-पहल रहती है, लेकिन छठ घाट तक पहुंचने के लिए पक्के मार्ग की अनुपलब्धता के कारण वर्षों से व्रती और श्रद्धालुओं को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था।

रोजमर्रा के कार्यों एवं अन्य धार्मिक आयोजनों में भी लोगों को इसी कारण असुविधा झेलनी पड़ती थी। लोदाम, जिला मुख्यालय से लगभग 28 किलोमीटर दूर, झारखंड सीमा से सटा एक खूबसूरत गांव है, जो घने जंगलों और प्राकृतिक वादियों के बीच स्थित है। क्षेत्र की भौगोलिक चुनौतियों को देखते हुए छठ घाट तक एक मजबूत, सुरक्षित और सुविधाजनक पहुंच मार्ग की आवश्यकता महसूस की जा रही थी। विधायक श्रीमती रायमुनी भगत ने आम जनता की इस समस्या को गंभीरता से समझा और मुख्य मार्ग से छठ घाट तक पहुंच मार्ग तक सीसी रोड निर्मित कराने के लिए विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र विकास योजना वित्तीय वर्ष 2025-26 के तहत आठ लाख रुपये की स्वीकृति की अनुशंसा की। इस पहल पर त्वरित कार्रवाई करते हुए जिला कलेक्टर श्री रोहित व्यास के निर्देशन में सीसी रोड का निर्माण कार्य प्रारंभ किया गया और सितंबर 2025 में निर्माण सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया। सड़क निर्माण पूरा होने के साथ ही लोदाम के ग्रामीणों ने राहत की सांस ली। स्थानीय लोगों ने शासन-प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी समस्या का समाधान अब हो गया है। छठ घाट तक पहुंचना अब आसान और सुरक्षित हो गया है। दैनंदिन कार्यों और अन्य धार्मिक आयोजनों में आने-जाने की असुविधा समाप्त हो गई है। पक्के मार्ग के कारण आसपास के क्षेत्रों में विकास की संभावनाएँ और भी बढ़ गई हैं।

■ विधायक रायमुनी भगत ने विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र विकास योजना के तहत की थी अनुशंसा

### धर्मनगरी कोतबा में उमड़ा आस्था का सैलाब

# 1100 कलशों के साथ यात्रा निकालकर लक्ष्मी पूजन का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोतबा

धर्मनगरी कोतबा में अगहनमास के पावन अवसर पर भक्ति और आस्था का अनूठा संगम देखने को मिला। यहां हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी नगरवासियों और क्षेत्रवासियों के संयुक्त तत्वावधान में श्री लक्ष्मी पूजन महोत्सव का भव्य आगाज किया गया। 23 वर्षों की अटूट परंपरा को निभाते हुए, मंगलवार को एक ऐतिहासिक कलश यात्रा के साथ पाँच दिवसीय अनुष्ठान की शुरुआत हुई। महोत्सव के पहले दिन का मुख्य आकर्षण भव्य कलश यात्रा रही।

धर्मनगरी कोतबा के खालपारा स्थित मां लक्ष्मी पंडाल से शुरू हुई इस यात्रा में आस्था का जनसैलाब उमड़ पड़ा। 1100 से अधिक सुहागिन महिलाओं और छोटी बच्चियों ने सिर पर सुसज्जित कलश धारण कर नगर भ्रमण किया। पारंपरिक वस्त्रों में सजी

महिलाओं की कतार ने पूरे नगर को भक्तिमय बना दिया।

भव्य कलश यात्रा का मार्ग खालपारा से शुरू होकर नगर के मुख्य मार्गों, राम मंदिर पारा, बस स्टैंड और परशुराम चौक से होते हुए सतीघाट धाम तक पहुंचा। यात्रा के दौरान पारंपरिक वाद्य यंत्रों—ढोलक और मांदर की थाप पर संत समाज के अनुयायी और भक्तजन थिरकते नजर आए। रामायण की चौपाइयों के गायन और जयकारों से पूरा नगर गुंजायमान हो उठा। सतीघाट धाम पहुंचकर महिलाओं ने विधिविधान से कलश में जल भरा और पुनः कतारबद्ध होकर पूजन स्थल तक लौटीं।

#### 23 वर्षों से जारी है सार्वजनिक अनुष्ठान

आयोजन समिति ने बताया कि यह महालक्ष्मी पूजन का सार्वजनिक अनुष्ठान लगातार 23 वर्षों से आयोजित किया जा रहा है। इसमें न केवल कोतबा नगरवासी, बल्कि आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के श्रद्धालु भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं। यह आयोजन अब क्षेत्र की सांस्कृतिक और धार्मिक पहचान बन चुका है।

#### पांच दिनों तक चलेगा हवन-पूजन का दौर

कलश यात्रा के समापन के साथ ही मंगलवार से विधिवत हवन-पूजन का शुभारंभ हो गया। यह धार्मिक महोत्सव अगले 5 दिनों तक चलेगा, जिसका समापन रविवार को होगा। इस दौरान प्रतिदिन सुबह-शाम विशेष आरती, हवन और धार्मिक अनुष्ठान संपन्न होंगे। आयोजकों ने क्षेत्र के सभी धर्मप्रेमी बंधुओं से इस पुनीत कार्य में शामिल होकर पुण्य लाभ अर्जित करने की अपील की है।

### यूपी का धान परिवहन कर रहे तीन पिकअप जब्त

**अंबिकापुर।** प्रशासन की संयुक्त टीम ने रामचंद्रपुर तहसील अंतर्गत अलग-अलग तीन स्थानों पर समितियों में खपाने के उद्देश्य से यूपी से धान परिवहन कर रहे तीन पिकअप को जब्त किया है। तीनों पिकअप से 205 बोरी अवैध धान मिला है। सीमावर्ती क्षेत्रों में जगह-जगह जांच चौकी स्थापित करने के बावजूद कोचिए जंगल के रास्ते पड़ोसी राज्यों का धान मंगा रहे हैं। बीती रात राजस्व, खाद्य विभाग एवं मंडी की संयुक्त टीम ने ग्राम झारा, डूमरपान एवं धौरा में यूपी का धान परिवहन कर रहे तीन पिकअप को जब्त किया है। पिकअप चालकों द्वारा धान के संबंध में दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराने पर जब्ती की गई है।

# एक और बहादुर हमें छोड़कर चले गए : अमिताभ बच्चन

**मुंबई।** बॉलीवुड के दिग्गज कलाकार धर्मेंद्र का 24 नवंबर को 89 साल की उम्र में निधन हो गया। उनके साथी कलाकार और सदी के महानायक कहे जाने वाले अमिताभ बच्चन ने उनके निधन पर भावुक पोस्ट की है और दुख जताया है। अमिताभ बच्चन ने एक्स पर एक पोस्ट में धर्मेंद्र के बारे में लिखा 'एक और बहादुर हमें छोड़कर चले गए। अपने पीछे वह एक सन्नाटा छोड़ गए। धरम जी। वह अपने आप में मिसाल थे। वह न सिर्फ अपनी शारीरिक मौजूदगी के लिए, बल्कि अपने बड़े दिल और बेहतरीन सादगी के लिए जाने जाते थे। वह अपने साथ पंजाब के उस गांव की मिट्टी की खुशबू लाए थे, जहां से वह आए थे। वह उस मिट्टी के मिजाज के प्रति सच्चे रहे।

## लाइफ Style

# अदिति

## यूं शुरू हुआ था सच्चे प्यार का नया सफर

बॉलीवुड और साउथ सिनेमा की दुनिया में अपनी एक्टिंग का परचम लहरा चुकीं अदिति राव हैदरी का जन्म राजघराने में हुआ था। अदिति राव हैदरी और सिद्धार्थ की कहानी तो जैसे किस्मत से बनी हुई लगती है। एक्ट्रेस की लव स्टोरी फरवरी 2021 में तेलुगु फिल्म 'महा समुद्रम'के सेट पर शुरू हुई थी।

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

जब वह अपने हसबैंड सिद्धार्थ के साथ एक्शन-ड्रामा फिल्म में नजर आई थीं। अदिति ने साउथ में भी अपने काम से लोगों का दिल जीता है। उनके फैंस की संख्या बहुत ज्यादा है। बहुत कम लोग जानते हैं कि अदिति की पहली शादी सत्यदीप मिश्रा से हुई थी। महज 21 साल की उम्र में उन्होंने पहली शादी की थी। लेकिन, ये रिश्ता ज्यादा समय तक नहीं चला और दोनों अलग हो गए। अदिति ने अपने एक इंटरव्यू में बताया था कि जब तलाक हुआ, तो उनका दिल टूट गया था, लेकिन तलाक के बावजूद अदिति और सत्यदीप एक-दूसरे के दोस्त बने रहें। पहली शादी टूटने के बाद अदिति राव हैदरी की मुलाकात साल 2021 में फिल्म महा समुद्रम के दौरान सिद्धार्थ से हुई। फिल्म की शूटिंग के दौरान दोनों अक्सर सेट पर साथ समय गुजारते थे। इसी बीच दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ने लगीं। इसके बाद दोनों ने डेटिंग शुरू कर दी। दोनों ने जब एक दूसरे को अच्छे से जान लिया। तब मार्च 2024 में अपनी सगाई की खबर को फैंस के साथ शेयर किया। 16 सितंबर साल 2024 को दोनों शादी के बंधन में बंध गए। बात अगर अदिति के एक्टिंग कॅरियर की करें तो अब तक वह रॉकस्टार, मर्डर 3, वजीर, पद्मावत, कातरू वेलियिदाई, सूफीयम सुजातायम, महा समुद्रम जैसी फिल्मों में दमदार रोल में नजर आ चुकी हैं।

## हॉलीवुड मसाला

# नए हैरी पॉटर को लिखा लेटर

**लॉस एंजिल्स।** हॉलीवुड की दुनिया में एक बार फिर से 'हैरी पॉटर' का जादू लौटने की तैयारियां जोरों पर हैं। जैसे-जैसे नई सीरीज की शूटिंग आगे बढ़ रही है, फैंस का उत्साह भी बढ़ता जा रहा है। इस बार कहानी का केंद्र सिर्फ नए कलाकार ही नहीं हैं, बल्कि वो भावनाएं भी हैं जो मूल हैरी पॉटर रहे डेनियल रेडक्लिफ ने अपने छोटे उत्तराधिकारी के लिए जताई हैं। डेनियल ने हाल ही में बताया कि उन्होंने नए हैरी पॉटर बने डोमिनिक मैकलॉफलिन को खुद पत्र लिखकर शुभकामनाएं भेजी हैं।

# कैलोरी की शूटिंग के दौरान थीं नर्वस

**मुंबई।** अभिनेत्री डॉली अहलूवालिया अपनी अपकमिंग फिल्म 'कैलोरी' को लेकर चर्चा में हैं। यह फिल्म 28 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इससे पहले इस फिल्म की इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया (आईएफएफआई) में स्क्रीनिंग हुई है। नेशनल अवॉर्ड जीतने वाली एक्ट्रेस डॉली अहलूवालिया ने कहा कि यह रोल बहुत इमोशनल था और उन्होंने माना कि शूटिंग के दौरान वह नर्वस थीं। एएनआई से बात करते हुए अहलूवालिया ने बताया कि 'कैलोरी' टाइटल दिखाता है कि लोग अपने अतीत के दर्द और यादों के साथ कैसे जीते हैं। इस बारे में उन्होंने कहा, 'मेरे लिए कैलोरी का मतलब अनुभव और भावनाएं हैं और आप खाने के बजाय उन भावनाओं को कैसे पचाते हैं।' एक्ट्रेस ने बताया कि फिल्म को लेकर उन्हें खुद पर भरोसा नहीं था।

# धर्मेंद्र की सादगी से सदाबहार बने ये गाने...

**मुंबई।** धर्मेंद्र के गाने सिर्फ सुने नहीं गए, उन्हें महसूस किया गया, जिया गया और उन पर थिरका गया, जिन्हें कई पीढ़ियां सदियों तक याद रखेंगी। यह कहानी उन्हीं सुरों की महक की है, जो आज भी 'पल पल दिल के पास' धड़कती है, जिन सुरों ने थिरकना सिखाया और दोस्ती की नई परिभाषा बनाई। मैं जट यमला पगला दीवाना, फिल्म- प्रतिज्ञा (1975), ये दोस्ती हम नहीं तोड़ेंगे, फिल्म- शोले (1975), पल पल दिल के पास, फिल्म- ब्लैकमेल (1973), कोई हसीना जब रूठ जाती है, फिल्म- शोले (1975), किसी शायर की गजल, फिल्म- ड्रीम गर्ल(1977), मैं तेरे इश्क में मर न जाऊं कहीं, फिल्म- लोफर (1973), अब के सजना सावन में, फिल्म- चुपके चुपके (1975), झिलमिल सितारों का आंगन होगा, फिल्म- जीवन मृत्यु (1970), आज मौसम बड़ा बेईमान है बड़ा-लोफर (1973)।

# 'द हार्डर दे कम' में एक्टिंग ने दिलाई पहचान...

**लॉस एंजिल्स।** जिमी क्लिफ एक शानदार रेगे गायक और अभिनेता थे। उन्होंने 81 वर्ष की उम्र में इस दुनिया को अलविदा कह दिया। उनके जाने से मनोरंजन जगत में शोक की लहर छा गई है। जिमी क्लिफ को मशहूर फिल्म 'द हार्डर दे कम' में एक्टिंग के लिए भी पहचाना जाता था। जिमी क्लिफ जमैका के रहने वाले थे। बचपन से ही उनका संगीत के प्रति गहरा लगाव था। वे अपनी किशोरावस्था में ही किंग्स्टन के उभरते संगीत जगत में शामिल हो गए और 1960 के दशक में एक ऐसे आंदोलन का नेतृत्व किया जिसमें बॉब मार्ले, टूट्स हिबर्ट और पीटर तोश जैसे भावी सितारे शामिल थे। 1970 के दशक के शुरुआती वर्षों में, उन्होंने निर्देशक पेरी हेनजेल की एक महत्वाकांक्षी फिल्म में अभिनय के प्रस्ताव को स्वीकार किया। इसमें उन्होंने रेगे संगीतकार, इवानहो इवान मार्टिन का किरदार निभाया, जो अपने कॅरियर में गिरावट आने पर अपराध की दुनिया में चला जाता है।

## टीवी मसाला

# मृदुल और बसीर से नहीं हो सकती शहबाज की तुलना

**नई दिल्ली।** सलमान खान के रिएलिटी शो 'बिग बॉस 19' से कुनिका सदानंद एविक्ट हो गई हैं। 'बिग बॉस 19' से बाहर आने के बाद कुनिका ने मीडिया से बात की। कुनिका ने कहा कि उनके हिसाब से शहबाज बदेशा का मृदुल तिवारी और बसीर अली से ज्यादा कंट्रीब्यूशन रहा है। उन्होंने कहा, 'बसीर ने अपना 100% दिया, लेकिन एक टाइम के बाद उनका गेम खत्म हो गया था क्योंकि वह और नेहल चुडासमा करीब आ गए थे। बसीर खुश थे, लेकिन उसके बाद वो गेम में एक्टिव नहीं रहे थे।'कुनिका ने इंटरव्यू में आगे कहा, 'रहा सवाल मृदुल का तो गौरव ने उन्हें ओवरशैडो कर दिया। ऐसा हो गया था कि वो हर चीज गौरव से पूछकर करता था। वो गौरव से पूछे बिना हिलता तक नहीं था। तो आप शहबाज के कंट्रीब्यूशन को बसीर और मृदुल के कंट्रीब्यूशन से कंपेयर नहीं कर सकते हैं। शहबाज जब घर में आया वह हंसी, मजाक और बहुत सारी नई-नई चीजें लेकर आया।'कुनिका ने ये भी कहा कि शहबाज के ऊपर प्रेशर है क्योंकि शहनाज गिल भी बिग बॉस से बनी हैं। कुनिका बोलीं, 'मैं शहबाज को फिल्मों में देखना चाहती हूं। मैं चाहती हूं कि मैं उसे कॉमेडी रोल्स में देखूं।जब कुनिका से पूछा गया कि उनके हिसाब से 'बिग बॉस 19' का विनर कौन है? तब उन्होंने फरहाना भट्ट का नाम लिया। उन्होंने साफ कहा कि उन्हें भी लगता है कि गौरव एक्टिंग कर रहे हैं। कुनिका सदानंद ने इंटरव्यू में कहा, 'गौरव पीछे से खेलते हैं। इमोशनल मैनिपुलेशन भी करते हैं। मृदुल के साथ भी किया था।

### एक वरदान के रूप में देखती हूं

**नई दिल्ली।** शुभांगी अत्रे ने भाभी जी घर पर हैं में अंगूरी भाभी के किरदार से दर्शकों का दिल खूब जीता है। कुछ दिनों से खबरें आ रही थीं कि शुभांगी को शो से पुराणी अंगूरी भाभी यानी शिल्पा शिंदे रिप्लेस करने वाली हैं। अब शुभांगी ने इस खबर को कन्फर्म कर किया है। 10 साल के बाद शुभांगी अब इस शो को छोड़कर जा रही हैं। शुभांगी का कहना है कि वह इसे एक आशीर्वाद की तरह ले रही हैं। शुभांगी ने कहा, 'मैंने हमेशा मिसेस कोहली को वादा किया था कि मेरी जर्नी शो में आन, बान और शान के साथ शुरू होगी और वैसे ही उसका एंड होगा। मैं इससे बेहतर एग्जिट के बारे में नहीं सोच सकती। रिप्लेसमेंट के पीछे की कोई वजह नहीं है। मैं इसे एक वरदान के रूप में देखती हूं, क्योंकि एक कलाकार के रूप में मैं नए किरदारों को निभाना चाहती हूं। आइडिया यह है कि यहां से बाहर जाऊं और बाकी काम पर फोकस करूं। लाइफ में इतना कुछ देखने के बाद मैं फाइटर मोड में आ गई हूं और अब सिर्फ अपनी बेटी और अपने काम पर फोकस कर रही हूं।'

# भारी-भरकम कास्ट होने के बावजूद दर्शकों को नहीं रिझा सकीं ये फिल्में

**मुंबई।** बॉलीवुड की कई ऐसी फिल्में हैं जिनमें कई बड़े कलाकारों ने अभिनय किया है। कई फिल्मों में अच्छे विजुअल, अच्छे म्यूजिक और अच्छी कहानी रही। हालांकि ये फिल्में उम्मीद के मुताबिक दर्शकों को अपनी तरफ खींचने में नाकाम रहीं। बॉक्स ऑफिस पर इन फिल्मों की कमाई उम्मीद के मुताबिक नहीं रही। आलोचकों से भी इन फिल्मों को सराहना नहीं मिली।

***सर्कस :*** साल 2022 में रिलीज हुई फिल्म 'सर्कस' में रणवीर सिंह, वरुण शर्मा, पूजा हेगड़े और जैकलीन फर्नांडिस जैसे कलाकार थे। उम्मीद की जा रही थी कि यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन करेगी। हालांकि कमजोर कहानी की वजह से इसे बहुत कम दर्शक मिले और फिल्म बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप हो गई।

***कलंक :*** फिल्म 'कलंक' (2019) में माधुरी दीक्षित, संजय दत्त, आलिया भट्ट, वरुण धवन, सोनाक्षी सिन्हा और आदित्य रॉय कपूर ने अभिनय किया था। इसके बावजूद यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई नहीं कर सकी थी। आलोचकों ने कलाकारों के हिसाब से इसकी कहानी को कमजोर बताया था। हालांकि इसके विजुअल अच्छे थे।

***ठग्स ऑफ हिंदोस्तान :*** साल 2018 में रिलीज हुई फिल्म 'ठग्स ऑफ हिंदोस्तान' में आमिर खान और अमिताभ बच्चन पहली बार साथ में नजर आए थे। इसमें कटरीना कैफ और फातिमा सना शेख भी थीं। इसकी रिलीज से पहले इसकी काफी चर्चा थी। हालांकि यह फिल्म रिलीज के बाद कुछ खास नहीं कर सकी। बॉक्स ऑफिस पर इसने लगभग बजट भर की ही कमाई की थी।

***हैप्पी न्यू ईयर :*** 'हैप्पी न्यू ईयर' (2014) में शाहरुख खान, दीपिका पादुकोण और अभिषेक बच्चन जैसे कलाकार थे। फिल्म में ग्लैमर का तड़का था और इसका म्यूजिक भी अच्छा था। हालांकि फिल्म की कहानी इतनी कमजोर थी कि इसे दर्शकों ने नकार दिया। बड़े कलाकारों के होने के बावजूद यह फिल्म आलोचकों को प्रभावित नहीं कर सकी थी।

***जानी दुश्मन: एक अनोखी कहानी :*** साल 2002 में रिलीज हुई फिल्म 'जानी दुश्मनः एक अनोखी कहानी' में बॉलीवुड के कई बड़े कलाकार थे। इसमें सनी देओल, अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी और मनीषा कोइराला जैसे कलाकार थे। माना जा रहा था कि यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा देगी। हालांकि ऐसा हुआ नहीं। फिल्म दर्शकों को प्रभावित नहीं कर सकी। फिल्म ने सिर्फ अपना बजट निकाला।

## 53वें अंतरराष्ट्रीय एमी अवार्ड्स 2025

# यूके ने सात श्रेणियों में सबसे अधिक पुरस्कार किए अपने नाम

**लॉस एंजिल्स।** इम्तियाज अली की फिल्म 'अमर सिंह चमकीला' को लेकर 53वें अंतरराष्ट्रीय एमी अवॉर्ड्स में अब तक जो उम्मीदें थीं वो अब टूट गई हैं। सोमवार 24 नवंबर की देर रात न्यूयॉर्क सिटी में इंटरनेशनल एमी अवॉर्ड्स का आयोजन हुआ जिसमें दिलजीत दोसांझ की अमर सिंह चमकीला को नॉमिनेशन मिला था। 53वें अंतर्राष्ट्रीय एमी अवार्ड्स 2025 के विजेतोषणा कर दी गई है, जिसमें यूनाइटेड किंगडम (यूके) ने सात श्रेणियों में सबसे अधिक पुरस्कार अपने नाम किए हैं। आईटीवी स्टूडियोज की 1980 के दशक पर आधारित ड्रामा-कॉमेडी 'रिवॉल्ट्स'ने सर्वश्रेष्ठ ड्रामा का पुरस्कार जीता। इस ब्रिटिश कॉमेडी ड्रामा में डेविड टेनेंट, एडेन टर्नर, कैथरीन पार्किंसन, विक्टोरिया स्मर्फिट, एलेक्स हैसेल, नफेसा विलियम्स, बेला मैक्लीन, एमिली एटैक और डैनी डायर जैसे कलाकार शामिल हैं। यह सीरीज जिली कूपर की किताबों पर आधारित है। वहीं, लुडविग को सर्वश्रेष्ठ कॉमेडी का पुरस्कार मिला,

**रिवॉल्ट्स ने जीता सर्वश्रेष्ठ ड्रामा का पुरस्कार**

जिसमें डेविड मिशेल ने अभिनय किया है। इस सीरीज में एक पहेली मास्टर (मिशेल) अपने लापता भाई, जो एक पुलिस जासूस है, का भेष बदलकर उसके लापता होने के मामले की जांच करता है। अन्ना मैक्सवेल मार्टिन भी लुडविग का हिस्सा हैं। इसके अतिरिक्त, यूके ने फॉलन के लिए सर्वश्रेष्ठ किड्स लाइव-एक्शन शो, लॉस्ट बॉयज एंड फेयरीज के लिए सर्वश्रेष्ठ टीवी मूवी/मिनी सीरीज, हेल जम्पर के लिए सर्वश्रेष्ठ डॉक्यूमेंट्री, और 'डिस्पैचः किल जोनः इनसाइड के लिए करंट अफेयर्स श्रेणियों में भी ट्रॉफियां जीतीं। इसके अलावा, यूके ने अंटिल आई किल यू में अपने प्रदर्शन के लिए अन्ना मैक्सवेल मार्टिन को सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के पुरस्कार से भी नवाजा गया।

## शोले में उनकी वीरू की भूमिका आज भी दर्शकों को भुलाए नहीं भूलती

# इन फिल्मों में निभाई दमदार भूमिका, हर किरदार में जीता दिल

*मुंबई। हिंदी सिनेमा के दिग्गज अभिनेता और हीमैन धर्मेंद्र ने 89 वर्ष की उम्र में इस दुनिया को अलविदा कह दिया। उनके जाने से एक युग का अंत हो गया। धर्मेंद्र ने अपने फिल्मी सफर में तरह-तरह के किरदार निभाए थे। वह एक ओर प्रेमी युवक के रूप में याद किए जाते थे, तो दूसरी ओर जांबाज हीरो के रूप में भी। फिल्म 'शोले'में उनकी वीरू की भूमिका आज भी दर्शकों को भुलाए नहीं भूलती।*

***शोले :*** *धर्मेंद्र के करियर की सबसे चर्चित भूमिका की बात की जाए, तो वह 'शोले'में उनकी वीरू की भूमिका है। अमिताभ बच्चन के साथ उनकी जोड़ी ने दोस्ती की मिसाल पेश की थी। इस फिल्म में धर्मेंद्र ने अपने किरदार को जीवंत कर दिया था।*

***सत्यकाम :*** *धर्मेन्द्र ने फिल्म 'सत्यकाम'में सत्यप्रिय आचार्य की भूमिका निभाई थी, जो एक सिद्धांतवादी व्यक्ति थे। धर्मेंद्र द्वारा निभाया गया यह किरदार भारतीय सिनेमा के सबसे बेहतरीन किरदारों में से एक माना जाता है।*

***चुपके-चुपके :*** *ऋषिकेश मुखर्जी के निर्देशन में साल 1975 में बनी फिल्म 'चुपके-चुपके'में धर्मेंद्र ने प्रोफेसर परिमल त्रिपाठी और प्यारे मोहन इलाहाबादी की भूमिका निभाई थी। फिल्म में धर्मेंद्र की बेमिसाल कॉमिक टाइमिंग ने दर्शकों को प्रभावित किया थे। यह एक क्लासिक कॉमेडी फिल्म थी।*

**अनुपमा :** ऋषिकेश मुखर्जी की ड्रामा फिल्म 'अनुपमा' इंडस्ट्री की सबसे ज्यादा सराही गई फिल्मों में से एक थी। यह कहानी एक जिद्दी युवक की है। इस फिल्म में धर्मेंद्र ने अशोक की भूमिका निभाई थी, जिसे उमा से प्यार हो जाता है। उमा के माता पिता अशोक को नहीं पसंद करते हैं। इससे पहले उमा कुछ गलत कदम उठाती उसके माता पिता अशोक से शादी के लिए मान जाते हैं। फिल्म में अभिनेता ने दमदार भूमिका निभाई थी।

**जॉनी गद्दार:** निर्देशक श्रीराम राघवन की फिल्म 'जॉनी गद्दार' में धर्मेंद्र ने गैंग लीडर शेषाद्रि 'सेशु' की भूमिका निभाई थी। इस फिल्म में धर्मेंद्र और नील नितिन मुकेश के अलावा रिमी सेन, विनय पाठक और जाकिर हुसैन की मुख्य भूमिकाएं थी।

**फूल और पत्थर :** फिल्म 'फूल और पत्थर'में धर्मेंद्र ने एक युवा अपराधी की भूमिका निभाई थी, जिनका नाम शक्ति सिंह 'शाका'था। फिल्म में शाका एक विधवा महिला के खातिर अपनी सारी बुरी आदतें छोड़ देता है और सुधर जाता है। इस फिल्म ने कई सामाजिक मान्यताओं को चुनौती दी और दर्शकों को शिक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

***यादों की बारात :*** *फिल्म 'यादों की बारात' में धर्मेंद्र ने शंकर की भूमिका निभाई थी। यह पहली मसाला फिल्म थी, जिसमें एक्शन, नाट्य, रोमांस, संगीत, अपराध और थ्रिलर शैलियों का समावेश था। इस फिल्म का निर्देशन नासिर हुसैन ने किया था, जो 1973 में रिलीज हुई थी।*

***धरम वीर :*** *मनमोहन देसाई के निर्देशन में साल 1977 में फिल्म 'धरम वीर' रिलीज हुई थी। इस फिल्म में धर्मेंद्र ने धरम का किरदार निभाया था। फिल्म में धर्मेंद्र और जितेन्द्र की जोड़ी को दर्शकों को खूब पसंद किया था।*

***लोफर :*** *'लोफर'में धर्मेंद्र ने एक स्टाइलिश और करिश्माई हीरो का रोल निभाया था, जो अपराध की दुनिया में फंसा हुआ है, लेकिन दिल से नेक है। अभिनेता ने रंजीत का किरदार निभाया था। फिल्म में धर्मेंद्र की भूमिका की काफी सरहाना की गई थी।*

## खबर संक्षेप

### स्थानीय गाड़ी मालिकों की बढ़ी परेशानी

**राउरकेला।** परिवहन व्यवसाय से जुड़े स्थानीय सिंगल मोटर गाड़ी मालिकों की स्थिति लगातार दयनीय होती जा रही है। बड़ी कंपनियों और बड़े फ्लीट साइज वाले मालिकों के बाजार में प्रवेश ने छोटे गाड़ी मालिकों के लिए काम के अवसर लगभग खत्म कर दिए हैं। इस पर से झारखंड, बिहार, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और पश्चिम बंगाल सहित कई राज्यों की गाड़ियों का विशेष रूप से माइनिंग क्षेत्र में बढ़ता उपयोग स्थानीय वाहन मालिकों की मुश्किलें और बढ़ा रहा है। गाड़ी मालिकों का आरोप है कि जिन यूनियनों पर भरोसा कर वे काम की उम्मीद लगाए बैठे थे, वहीं यूनियन नेता अपनी गाड़ियों के लिए प्राथमिकता सुनिश्चित कर रहे हैं। विश्वस्त सूत्रों के अनुसार कुछ यूनियन नेताओं के वाहन डेढ़ साल में 800 से अधिक ट्रिप कर चुके हैं, जबकि सामान्य गाड़ी मालिकों को इसी अवधि में 100 ट्रिप भी नसीब नहीं हुए। ट्रांसपोर्टर विकास सिंह का कहना है, यूनियन नेतृत्व उन्हीं लोगों के हाथ में होना चाहिए ।

### डिजिटल संस्कृति विषय पर संगोष्ठी

**राउरकेला।** मीडिया क्लब राउरकेला द्वारा 26 नवंबर को ब्राह्मणी क्लब पानपोष में मीडिया कॉन्क्लेव 2025 का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सुबह 11.30 बजे हुआ, जिसमें मीडिया जगत के गणमान्य व्यक्तियों, शिक्षाविदों और विभिन्न संस्थानों से आए प्रतिनिधियों ने उपस्थिति दर्ज की। इस अवसर पर सोशल मीडिया एवं डिजिटल संस्कृति विषय पर एक विशेष संगोष्ठी आयोजित की गई, जिसमें विशेषज्ञों ने बदलते डिजिटल परिवेश, मीडिया की नई चुनौतियों और समाज पर तकनीक के प्रभाव पर अपने विचार साझा किए। आयोजन में प्रतिभागियों ने सक्रिय रूप से चर्चा में भाग लिया और डिजिटल मीडिया के भविष्य को लेकर महत्वपूर्ण सुझाव दिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. पिताबासा मिश्र, अध्यक्ष मीडिया क्लब राउरकेला ने की जबकि आयोजन संयोजक विवेकानंद दास, महासचिव, मीडिया क्लब राउरकेला रहे।

### स्पोर्ट्स फिएस्टा में नन्हे खिलाड़ियों ने दिखाया दम

**राउरकेला।** लायंस क्लब ऑफ राउरकेला स्टार्स द्वारा आयोजित स्पोर्ट्स फिएस्टा 2025 का ओएफ, ग्राउंड में उत्साहपूर्ण और ऊर्जामय समापन हुआ। बास्केटबॉल, पिकल बॉल और लॉन टेनिस की रोमांचक प्रतियोगिताओं में 6 से 16 वर्ष आयु वर्ग के कई प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया और अपने उत्कृष्ट कौशल से दर्शकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम में डिस्ट्रिक्ट गवर्नर ममता गौतम, सेकंड वाइस डिस्ट्रिक्ट गवर्नर दुर्गेश नंदिनी बिस्वाल, कैबिनेट सेक्रेटरी राधिका गौतम, रीजन चेयरपर्सन मीनू अग्रवाल और जोन चेयरपर्सन ने मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थिति दर्ज कराई। बच्चों को खेल भावना, फिटनेस और अनुशासन के महत्व से अवगत कराया। कार्यक्रम की सफलता में क्लब अध्यक्ष लायन विवेक मोदी, सचिव लायन सुमित अग्रवाल, प्रोग्राम चेयरपर्सन लायन रजी कौर, लायन पूजा बंसल, लायन विनीत केजरीवाल, लायन अनूप बंसल, लायन संदीप सिंह, लायन शालू अग्रवाल और लायन प्रिया केजरीवाल का विशेष योगदान रहा।

### कांग्रेस ने की सुरक्षा व्यवस्था में सुधार की मांग

राउरकेला। शहर के प्रमुख बाजार क्षेत्रों में तेजी से बढ़ रहे अग्नि जोखिम को लेकर कांग्रेस ने गंभीर चिंता व्यक्त की है। इसी मुद्दे पर कांग्रेस जिला अध्यक्ष साबिर हुसैन के नेतृत्व में मो. शाकिर गोपाल दास, प्रबोध दास सहित अन्य नेताओं ने नगर निगम आयुक्त से मुलाकात की और एक विस्तृत स्मारक पत्र सौंपते हुए तत्काल सुरक्षा सुधार के कदम उठाने की मांग की। कांग्रेस ने भुवनेश्वर यूनिट 1 में हाल ही में लगी भीषण आग का उदाहरण देते हुए कहा कि राउरकेला के बाजार भी समान परिस्थितियों के कारण बड़े हादसे की आशंका से घिरे हुए हैं। स्मारक पत्र में बताया गया कि ट्रैफिक गेट मार्केट, इस्पात मार्केट सेक्टर 19 और सेक्टर 18 जैसे बाजार संकरी गलियों, अवैध कब्जों, दहनशील सामग्री और खुले विद्युत तारों के कारण अत्यधिक संवेदनशील हो चुके हैं।

### प्रशासनिक अधिकारियों ने 5 दिनों में 12 प्रकरण किया दर्ज, जारी है कार्रवाई

# अवैध परिवहन पर प्रशासन सख्त 2 करोड़ 26 लाख का धान जब्त

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायगढ़

खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी सुचारू रूप से जारी है। इसी बीच जिले में अवैध धान परिवहन एवं भंडारण पर जिला प्रशासन की कार्रवाई लगातार तेज होती जा रही है।

जिले में अब तक 43 प्रकरणों में 73 सौ क्विंटल अवैध धान जब्त किया गया है, जिसकी अनुमानित कीमत 2 करोड़ 26 लाख रुपए से अधिक है। वहीं पिछले 5 दिनों में 12 प्रकरणों में 3985.6 क्विंटल धान जब्त किया है, जिसकी 3100 रुपए प्रति क्विंटल के हिसाब से कीमत 1 करोड़ 23 लाख 55 हजार रुपए से अधिक है। इन कार्रवाईयों में अंतर्राज्यीय बेरियर रेंगालपाली, जमुना और पुसौर के लारा बेरियर शामिल है। साथ ही 40 कोचियों पर कार्रवाई की गई। सभी प्रकरणों को छत्तीसगढ़ कृषि उपज मंडी अधिनियम के अंतर्गत दर्ज किया गया है। कलेक्टर ने धान के अवैध परिवहन और भण्डारण पर लगातार कार्रवाई करने के लिए जिले के सभी एसडीएम, तहसीलदार और संबंधित संयुक्त टीम को दिए है। साथ ही उपार्जन केन्द्र पर नियुक्त नोडल अधिकारियों को भी सतत मॉनिटरिंग करने और उसकी सूचना उच्चाधिकारियों को देने के निर्देश दिए है।

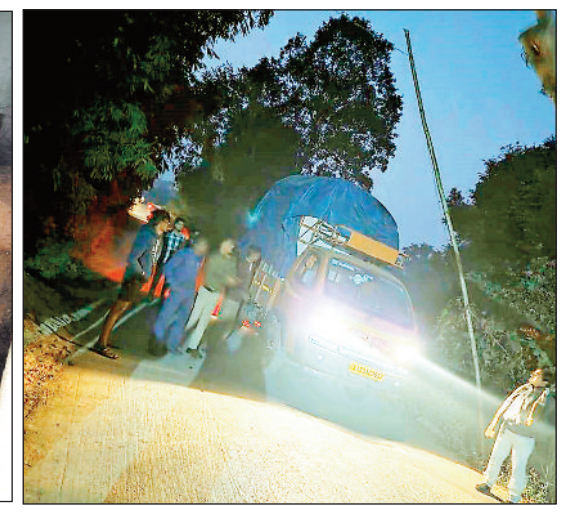

जब्त अवैध धान और बेरियर में तैनात कर्मचारी।

#### विभिन्न विकासखंडों में कार्रवाई. 12 स्थानों से पकड़े गए धान

जिला खाद्य अधिकारी चितरंजन सिंह ने बताया कि जिले के अलग अलग क्षेत्रों में संयुक्त जांच दल द्वारा बड़ी मात्रा में अवैध धान जब्त किया गया। पिछले 5 दिनों में 12 प्रकरण धान के अवैध भण्डारण एवं परिवहन के प्रकरण दर्ज किया गया है। इनमें घरघोड़ा विकासखंड के ग्राम कुर्मीमौना में दुर्गेश बेहरा के पास 8 क्विंटल धान जब्त किया गया। इसी तरह धरमजयगढ़ विकासखंड के ग्राम पुरुंगा में रतनलाल साहू से 150 क्विंटल, ग्राम बायसी में नरेश निषाद के पास से 52 क्विंटल धान जब्त किया गया। रायगढ़ विकासखंड के ग्राम कछार में रोहित पटेल के पास 160 क्विंटल, ग्राम लोइंग के नोहर पटेल के पास 100 क्विंटल, विद्यानंद पटेल 120 क्विंटल एवं सूरत पटेल से 200 क्विंटल, ग्राम बालमगोडा में कन्हैया पटेल के पास 40 क्विंटल, ग्राम महापल्ली में मनीष अग्रवाल के गोदाम से 2600 क्विंटल धान जब्त किया गया। खरसिया विकासखंड के ग्राम साजापाली में धरणीधर गबेल, के पास 20 क्विंटल, पुसौर विकासखंड के ग्राम नेतनागर में मंगल साहू के पास 500 क्विंटल, तमनार विकासखंड के ग्राम केसरचुआ में रामप्रसाद राठिया के पास 34.80 क्विंटल धान जब्त किया गया। जिला खाद्य अधिकारी ने बताया कि सभी मामलों में छत्तीसगढ़ कृषि उपज मंडी अधिनियम के प्रावधानों के अंतर्गत कार्रवाई की गई है। किसानों के हितों की रक्षा और अवैध व्यापार पर रोक लगाने के लिए यह सख्त अभियान इसी तरह जारी रहेगा।

#### सीसीटीवी से रखी जा रही पैनी नजर

जिले के सभी उपार्जन केंद्रों में कोचियों व बिचौलियों द्वारा अवैध धान खपाने के किसी भी प्रयास को विफल करने के लिए कड़ी निगरानी की व्यवस्था की गई है। अंतर्राज्यीय व आंतरिक चेकपोस्टों पर धिकारी.कर्मचारियों की पालिवार ड्यूटी तैनात की गई है। राजस्व, खाद्य और मंडी विभाग की संयुक्त टीमें लगातार फील्ड में सक्रिय है। उपार्जन केंद्रों में सीसीटीवी निगरानी से रीयल टाइम मॉनिटरिंग और संदेहास्पद वाहनों की अनिवार्य जांच की जा रही। सुरक्षित और व्यवस्थित बनाए रखने के लिए जिले में सख्त कार्रवाई अनवरत जारी रहेगी।

## 97 प्रतिशत से अधिक अंक वाले बच्चे हुए सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ⏭ पुसौर

पुसौर के इन्द्रप्रस्थ स्टेडियम में आयोजित हुए करियर मार्गदर्शन कार्यक्रम में जहां क्षेत्र के 25 हाई व हायर सेकेण्डरी स्कूल के छात्र एवं 3 महाविद्यालय के छात्र शामिल हुए। वहीं उक्त छात्रों में से 97 प्रतिशत से ज्यादा अंक प्राप्त करने वाले छात्रों का सम्मान भी किया गया।

जानकारी के मुताबिक उक्त कार्यक्रम बीते मंगलवार को हुआ जिसमें सुपर 30 के संस्थापक पद्मश्री आनंदकुमार एवं प्रदेश के वित्तमंत्री ओपी चौधरी के स्पीच प्रमुख था। उपस्थित हजारों की संख्या में रहे छात्र एवं व्यवस्था से जुड़े लोगों के दिलों में इन दोनों के प्रेरणा प्रदान करने वाले विचार छाए रहे।

इस बीच कार्यक्रम के योजना के मुताबिक 97 प्लस अंक अर्जित करने वालों छात्रों को सम्मानित किया जाना था जिसमें अभिनव विद्यामंदिर पुसौर से नमन साव पिता उमेश साव नगर पंचायत पुसौर उपाध्यक्ष उमेश साव बरखा सारथी व आस्था प्रधान सम्मानित हुए। इसी तरह आदर्श स्कूल से पूजा साव व ऋतु गुप्ता सम्मानित हुए। इस कड़ी में क्षेत्र के अन्य स्कूलों के भी छात्र सम्मानित होने की बात कही जा रही है।

### धान खरीदी केन्द्र पुसौर में हुआ 12 क्विंटल धान खरीदी

**पुसौर।** तहसील मुख्यालय पुसौर स्थित धान खरीदी केन्द्र में मंगलवार को पहली बार 12 क्विंटल धानी खरीदी कर बोहनी हुई जिसे संचालक मंडल अध्यक्ष घनश्याम पटेल ने आसपास के जनप्रतिनिधि एवं प्राधिकारियों के उपस्थिति में इस खरीदी कार्य को उत्सव का रूप दिया। जानकारी के मुताबिक ग्राम तडोला और छींच के मोहन, मुरलीधर सहित अन्य 6 किसानों ने 12 क्विंटल धान बिकी किया। जिसका जिला पंचायत सदस्य लक्ष्मी जीवन पटेल के हाथों से तौल हुई। इस अवसर पर बड़े भंडार सोसायटी के ओआईसी विरेन्द्र पटेल, जतरी जीवन पटेल तथा निगरानी समिति के सदस्य, पार्षद फागुलाल गुप्ता, मंगल साव एवं मनीष गुप्ता मौजूद रहे।

## शिक्षिका हेमलता को मिला साहित्य शौर्य सम्मान

हरिभूमि न्यूज ⏭ चंद्रपुर

बिलासपुर में धरा वंदन साहित्य समिति के बैनर तले रविवार को भव्य साहित्यिक समागम हुआ। जिसमें साझा संकलन तिरंगे से लिपट जाऊं का विमोचन और कवि सम्मेलन आयोजित किया गया। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग के पूर्व अध्यक्ष एवं विद्यापीठ विश्वविद्यालय, बिहार के कुलपति डॉ. विनय कुमार पाठक मुख्य अतिथि रहे, जबकि पूर्व आईएसएस व साहित्यकार रमेश चंद्र श्रीवास्तव, पं. सुंदरलाल शर्मा मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. वीरेंद्र कुमार सारस्वत सहित कई प्रख्यात साहित्यकारों की मौजूदगी रही।

सैनिकों की वीरता, देशभक्ति, शहादत, एयर स्ट्राइक, पहलगाम हमला और ऑपरेशन सिंदूर जैसी राष्ट्र की गौरवपूर्ण घटनाओं पर आधारित साझा संकलन तिरंगे से लिपट जाऊं ने कार्यक्रम को खास पहचान दी। देशप्रेम से सराबोर कविताओं ने श्रोताओं को देर तक बांधे रखा और माहौल भावुकता से सरोबार हो गया। इसी मंच पर चंद्रपुर के काशीडीह की सहायक शिक्षिका हेमलता पटेल को उनकी प्रभावशाली रचना के लिए उत्कृष्ट साहित्य शौर्य सम्मान 2025 से सम्मानित किया गया। आयोजन समिति की ओर से उन्हें शाल, श्रीफल, स्मृति चिन्ह और प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया। सम्मान के बाद अपने उद्गार व्यक्त करते हुए शिक्षिका हेमलता पटेल ने कहा कि यह क्षण उनके लिए गर्व के साथ जिम्मेदारी भी बढ़ाने वाला है।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रप्रेम उनके लेखन की मूल प्रेरणा है और तिरंगे से लिपट जाऊं जैसे संकलन में अपनी रचना शामिल होना उनके लिए बड़ा सौभाग्य है यह सम्मान वह अपने विद्यार्थियों, गुरुजनों और परिवार को समर्पित करती हैं। जिन्होंने हमेशा उन्हें लिखने के लिए प्रेरित किया।

## बनोरा नेत्र शिविर में 168 मरीजों को मिला लाभ

**रायगढ़।** अघोर गुरु पीठ ट्रस्ट बनोरा की मुख्य शाखा रायगढ़ की इकाई औघड़ की मड़ई जिगना में आयोजित निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर में 168 मरीजों का नेत्र जाँच का लाभ मिला। मरीजों की जांच डॉक्टर संदीप शर्मा द्वारा की गई। शिविर में 137 मरीजों को निशुल्क चश्मा वितरण किया गया। वही 78 मरीजों को नेत्र सम्बन्धित ड्राप दिया गया। जांच के दौरान 14 मरीजों में मोतियाबिंद के लक्षण मिले जिन्हें चिकित्सकों द्वारा उचित परामर्श दिया गया। शिविर में 31 मरीजों के चश्मा का नंबर प्रधान कार्यालय अघोर गुरू पीठ ब्रह्मनिष्ठालय बनोरा बनने के लिए भेज दिया गया जिनका वितरण अगले नेत्र शिविर में 10 दिसंबर आयोजित होगा। अघोरेश्वार भगवान राम प्राथमिक उपचार केंद्र अघोर आश्रम डभरा में 24 नवंबर को आयोजित निःशुल्क चिकित्सा शिविर में 32 मरीज लाभान्वित हुए।

## सरिया में ट्रैफिक व्यवस्था दुरुस्त करने की मांग, सौंपा ज्ञापन

**सरिया।** नगर पंचायत सरिया में ट्रैफिक व्यवस्था ठीक ढंग से नहीं होने के कारण आए दिन दुर्घटना हो रही है। बुधवार को अटल चौक में सड़क दुर्घटना के दौरान दो मासूम स्कूली छात्र छात्राओं की मौत होने से नगर में ट्रैफिक व्यवस्था को लेकर तीव्र रोष व्याप्त है। कांग्रेस ने इसको लेकर कड़ी आपत्ति दर्ज कराते हुए कलेक्टर सारंगढ़ बिलाईगढ़ के नाम तहसीलदार को एक ज्ञापन सौंपा है।

जिसमें कांग्रेस ने मांग किया है की सरिया नगर पंचायत में स्कूली टाइम टेबल के दौरान भारी वाहनों के प्रवेश पर रोक लगाई जाए तथा ट्रैफिक व्यवस्था दुरुस्त की जाए। अन्यथा कांग्रेस उग्र आंदोलन करेगा। जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी। प्रदेश कांग्रेस पदाधिकारी शरद यादव के नेतृत्व में बुधवार शाम को कांग्रेस के द्वारा नगर में ट्रैफिक व्यवस्था दुरुस्त करने एवं स्कूल टाइम टेबल पर नो एंट्री जैसी कार्रवाई करने की मांग किया है। कांग्रेस प्रदेश पदाधिकारी शरद यादव ने कहा कि विगत कई महीनो से नगर में ट्रैफिक व्यवस्था चरमरा गई है। कई बार प्रशासन को आगाह करने के बाद भी इस पर ठीक ढंग से कार्रवाई नहीं हो रही है। आज बुधवार को नगर में दो मासूम स्कूली बालक बालिका के सड़क दुर्घटना में मौत को लेकर नगर एवं अंचल को झकझोर दिया है। इसके कारण आज कांग्रेस ने कलेक्टर सारंगढ़ बिलाईगढ़ के नाम तहसीलदार सरिया कोमल साहू को ज्ञापन सौंपा है और मांग किया है कि सरिया में शीघ्र ट्रैफिक व्यवस्था दुरुस्त की जाए। अन्यथा कांग्रेस उग्र आंदोलन करेगा जिसके संपूर्ण जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी।

नगर पंचायत सरिया में ट्रैफिक व्यवस्था दुरुस्त नहीं किया गया और स्कूल समय में नो एंट्री जैसी कार्रवाई नहीं हुई तो कांग्रेस शीघ्र उग्र आंदोलन करेगा जिसके संपूर्ण जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी।
शरद यादव, प्रदेश कांग्रेस पदाधिकारी

अटल चौक सरिया में बुधवार को सड़क दुर्घटना में दो मासूम स्कूली बालक बालिकाओं की मौत की घटना लेकर कांग्रेस ने आज नगर पंचायत सरिया में ट्रैफिक व्यवस्था दुरुस्त करने की मांग को लेकर कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपा है।
कोमल साहू, तहसीलदार सरिया

## महुआ शराब के साथ आरोपी गिरफ्तार

**चंद्रपुर।** चन्द्रपुर टीआई को मेहरून कलर की स्कूटी में एक व्यक्ति हरदी की ओर महुआ शराब को अपने स्कूटी में रखकर परिवहन करने की सूचना मिली।

ग्राम हरदी मेन रोड ब्रिज पटेल के गोदाम के पास नाकाबंदी कर रेड कार्रवाई करने पर आरोपी नंदकुमार सोने पिता सुरीत राम सोने 31 ग्राम मेढापाली थाना डभरा जिला सक्ती छग के कब्जे से स्कूटी के डिक्की के अंदर से एक प्लास्टिक थैला के अंदर कच्ची महुआ शराब मिला। इसकी कीमती 800 आंकी गई है। महुआ शराब रखने एवं परिवहन में उपयोग लाए गए स्कूटी वाहन कीमती 50 हजार समेत 50 हजार 800 रूपए को जब्त कर मौके पर गवाहों के समक्ष शीलबंद किया गया। उक्त महुआ शराब एवं मोटर सायकल को कब्जे में लिए आरोपी के विरूद्ध धारा 34 (2) आबकारी एक्ट कायम कर आरोपी को 25 नवंबर को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया है।

## संविधान दिवस पर प्रस्तावना का सामूहिक वाचन

**रायगढ़।** संविधान दिवस के अवसर पर जिला कलेक्टोरेट परिसर में गरिमामय कार्यक्रम आयोजित किया गया। कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ भारतीय संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन किया। कार्यक्रम में नगर निगम महापौर जीवर्धन चौहान, सभापति डिग्रीलाल साहू, अपर कलेक्टर अपूर्व प्रियेश टोप्पो, अपर कलेक्टर रवि राही, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती पूजा बंसल सहित जिले के विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी.कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत संविधान पर आधारित एक प्रेरक लघु फिल्म के प्रदर्शन से हुई, जिसमें लोकतांत्रिक व्यवस्था, नागरिक अधिकारों एवं कर्तव्यों की महत्ता पर सारगर्भित जानकारी प्रस्तुत की गई। कलेक्टर श्री चतुर्वेदी ने प्रस्तावना का वाचन करते हुए कहा कि श्हम भारत के लोगश से प्रारंभ होने वाली प्रस्तावना देश की सार्वभौमिकता, समाजवाद, पंथनिरपेक्षता, लोकतंत्र और गणराज्य की नींव को मजबूत करती है। उन्होंने कहा कि संविधान केवल अधिकार नहीं देताए बल्कि कर्तव्यों के प्रति भी जागरूक करता है। उन्होंने अधिकारियों कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रशासन का प्रत्येक अंग संविधान की मूल भावना के अनुरूप कार्य करने का उत्तरदायी है। उन्होंने न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुता के संवैधानिक मूल्यों को अपने कार्य व्यवहार में उतारने पर बल दिया।

### कलेक्टर ने की नगरीय निकायों के योजनाओं की समीक्षा

## नपं पुसौर और लैलूंगा में पीएम आवास की प्रगति धीमी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायगढ़

कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी ने जिले के सातों नगरीय निकायों की विभिन्न योजनाओं, निर्माण कार्यों, शासन को प्रेषित प्रस्तावों तथा वित्तीय व भौतिक प्रगति की समीक्षा की। बैठक के प्रारंभ में कलेक्टर ने नगरीय निकायों के अधिकारियों को कड़े निर्देश देते हुए कहा कि राज्य शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा प्राथमिकता में रखे गए कार्यों को समय सीमा तथा उच्च गुणवत्ता के साथ पूरा करना सभी अधिकारियों की सर्वोच्च जिम्मेदारी है।

इस दौरान उन्होंने नगर पंचायत लैलूंगा और पुसौर में आवास निर्माण की धीमी प्रगति पर कड़ी नाराजगी प्रकट की तथा कहा कि पात्र हितग्राहियों को समय पर आवास उपलब्ध कराने में किसी भी प्रकार की शिथिलता स्वीकार्य नहीं है। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जिन निकायों में प्रगति अपेक्षित स्तर पर नहीं है, वहां जिम्मेदार अधिकारियों से प्रतिवेदन प्राप्त कर आवश्यक कार्रवाई भी की जाएगी। कलेक्टर ने नगरीय निकाय क्षेत्रों में स्वीकृत एवं निर्माण कार्यों से जुड़ी स्थल चयन की समस्याओं, भूमि संबंधी विवादों तथा कार्य प्रारंभ में आ रही अन्य बाधाओं पर विशेष चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसी सभी स्थितियों को तत्काल संबंधित एसडीएम के संज्ञान में लाया जाए। उन्होंने निर्देशित किया कि एसडीएम और नगरीय निकाय अधिकारी आपसी समन्वय के साथ समस्याओं का प्राथमिकता से निराकरण करें ताकि किसी भी निर्माण कार्य में देरी न हो और शासन की योजनाएँ समय पर धरातल पर उतर सकें। प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 के क्रियान्वयन की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने वर्ष 2025-26 के लिए शासन से प्राप्त लक्ष्य के अनुसार तैयार किए जा चुके डीपीआर के लंबित प्रकरणों का शीघ्र समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में रायगढ़ नगर निगम, खरसिया नगर पालिका तथा नगर पंचायत घरघोड़ा, लैलूंगा, पुसौर, किरोड़ीमल नगर और धरमजयगढ़ में संचालित सभी योजनाओं, निर्माण कार्यों, शासन स्तर पर लंबित तकनीकी और प्रशासकीय स्वीकृतियों, टेंडर प्रक्रियाओं, प्रस्ताव प्रेषण की स्थिति और अन्य सभी विभागीय कार्यों की प्रगति पर क्रमवार चर्चा की गई। कलेक्टर ने पुनः दोहराया कि शासन को भेजे जाने वाले सभी प्रस्ताव समय पर और पूर्ण दस्तावेजों के साथ भेजे जाएँ तथा लंबित प्रकरणों का सतत फॉलोअप किया जाए।